website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 356 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 02 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी ने मिशन शक्ति की उपलब्धियों को किया उजागर

-बोले-भारत की प्रगति के केंद्र में नारी शक्ति

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के लेख को साझा करते हुए कहा कि "नारी शक्ति" भारत के भविष्य के केंद्र में है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर रहा है, नारी सशक्तिकरण सिर्फ एक नारा नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय मिशन बन चुका है। पीएम मोदी ने कहा कि मिशन शक्ति के तहत सरकार महिलाओं के लिए गरिमा और अवसर सुनिश्चित कर रही है, जिसमें वन-स्टॉप सेंटर, फास्ट-ट्रैक कोर्ट, हेल्पलाइन और सामाजिक सुरक्षा केंद्र शामिल हैं। उन्होंने लोगों से केंद्रीय मंत्री का लेख पढ़ने का आग्रह किया और इसे "समझदारीपूर्ण आत्मावलोकन" बताया। अन्नपूर्णा देवी ने अपने लेख में महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और सशक्तिकरण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने मिशन शक्ति के तहत अब तक हुए प्रगति का उल्लेख किया और बताया कि 864 वन-स्टॉप सेंटरों ने 2015 से अब तक 12.67 लाख से अधिक महिलाओं को चिकित्सा, कानूनी, आश्रय और परामर्श सहायता प्रदान की है। साथ ही, 181 महिला हेल्पलाइन, जो 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय है, ने अब तक 93 लाख से अधिक महिलाओं की मदद की है। लेख में यह भी बताया गया कि 745 फास्ट ट्रैक विशेष कोर्ट, जिनमें 404 पीओसीएसओ कोर्ट शामिल हैं, ने 3 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया है। पुलिस थानों में महिलाओं के लिए हेल्प डेस्क, मानव तस्करी विरोधी यूनिट और निर्भया योजना के तहत परिवहन सुरक्षा उपाय महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के रूप में शामिल हैं। इसके अलावा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने वाले सखी निवास जैसी योजनाओं से महिलाओं को शिक्षा, मातृत्व सहायता और सुरक्षा मिल रही है। SANKALP हब्स के माध्यम से अब तक 27 लाख से अधिक महिलाओं को विभिन्न योजनाओं और सेवाओं से जोड़ा गया है। अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि महिलाएं भारत के "विकसित भारत" के लक्ष्य को हासिल करने में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं और मिशन शक्ति सरकार की कार्यप्रणाली को महिलाओं के सशक्तिकरण के केंद्र में रखकर बदल रहा है। पीएम मोदी ने भी अपने संदेश में इसे सही ठहराया और बताया कि नारी शक्ति अब केवल विचार नहीं बल्कि हर स्तर पर लागू होने वाला मिशन बन चुका है।

अब बंगाल में भी लागू होगा नया वक्फ कानून

-ममता सरकार का बड़ा यू-टर्न; महीनों की ना के बाद हां

कलकत्ता । केंद्र के नए वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को महीनों तक टालने के बाद, पश्चिम बंगाल सरकार ने आखिरकार इस कानून को स्वीकार कर लिया है। राज्य सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राज्य की करीब 82000 वक्फ संपत्तियों का विवरण निर्धारित समयसीमा 6 दिसंबर 2025 तक केंद्रीय पोर्टल (umeedminority.gov.in) पर अपलोड कर दिया जाए। यह जानकारी राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने गुरुवार देर शाम दी। सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने राज्यों से छह दिसंबर तक सभी अविवादित वक्फ संपत्तियों की जानकारी अपलोड करने को कहा है, जिसके कारण राज्य प्रशासन ने तुरंत डेटा एंट्री प्रक्रिया शुरू करने के लिए कदम उठाए हैं।

राज्य सरकार का यू-टर्न क्यों महत्वपूर्ण है-

यह फैसला राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सार्वजनिक तौर पर घोषणा की थी कि वह इस नए कानून को पश्चिम बंगाल में लागू नहीं होने देंगी। अप्रैल में जब यह विधेयक संसद में पारित हुआ था, तब राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन भी हुए थे। 9 अप्रैल को जैन समुदाय के एक कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने कहा था- मैं वक्फ संशोधन अधिनियम को बंगाल में लागू नहीं होने दूंगी। हम 33 प्रतिशत मुसलमानों का राज्य हैं, जो सदियों से यहां रह रहे हैं। उनका संरक्षण करना मेरा कर्तव्य है। लेकिन उसके बाद कानूनी लड़ाई में भी राज्य सरकार को राहत नहीं मिली। अदालत में याचिका दाखिल करने के बावजूद सरकार को अनुकूल फैसला नहीं मिला। अधिनियम की धारा 3B के तहत सभी पंजीकृत वक्फ संपत्तियों की जानकारी छह महीने के भीतर केंद्रीय पोर्टल पर डालना अनिवार्य है।

जिलाधिकारियों को राज्य सरकार का विस्तृत निर्देश-

राज्य के अल्पसंख्यक विकास विभाग के सचिव पी. बी. सलीम ने जिलाधिकारियों को भेजे पत्र में एक आठ बिंदु कार्रवाई कार्यक्रम भी जारी किया है, जिसके तहत उम्मीद पोर्टल पर उपलब्ध सुविधा और प्रक्रिया को समझना और मुतवल्लियों, इमामों और मदरसा शिक्षकों के साथ बैठकें / कार्यशालाएं करना भी शामिल है। अधिकारी ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट को भेजे गए पत्र में चार प्राथमिक निर्देश दिए गए हैं। उनसे इमामों, मुअज्जिनों (मस्जिद में प्रति दिन पांच वक्त की नमाज कराने के लिए अजान लगाने वाला) और मदरसा शिक्षकों के साथ बैठकें बुलाने और उन्हें अपलोड करने प्रक्रिया समझाने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारियों को कहा गया है कि पोर्टल में केवल निर्विरोध संपत्तियों को ही दर्ज किया जाए। अधिकारी ने कहा कि सभी जिलों को कहा गया है कि जहां भी तकनीकी सहायता की आवश्यकता हो वहां सुविधा केंद्र स्थापित करें।" उन्होंने कहा कि जिलों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कार्य बिना किसी देरी के हो। केंद्र सरकार ने इस वर्ष की शुरुआत में वक्फ अधिनियम 1995 के कई प्रावधानों में संशोधन किया। हालांकि इनमें से कुछ संशोधन अब भी उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन हैं, लेकिन राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने ध्यान दिलाया कि केंद्र के प्रस्तावित परिवर्तनों के कार्यान्वयन पर कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा कि इसका अर्थ है कि राज्य को दी गयी समय-सीमा के भीतर निर्देश का पालन करना होगा। उन्होंने बताया कि संशोधित नियमों के तहत पश्चिम बंगाल में 8,063 वक्फ सम्पत्तियों के मुतवल्लियों (वक्फ की देखभाल करने वालों) को छह दिसंबर तक यूएमआईडी पोर्टल पर अपनी पूरी संपत्ति का विवरण दर्ज कराना होगा।

कानून में प्रमुख बदलाव क्या हैं-

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 में कुछ बड़े प्रावधान किए गए हैं, जिनमें वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति और किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित करने को लेकर अंतिम निर्णय सरकार द्वारा लिए जाने का प्रावधान है। इन्हीं प्रावधानों को लेकर पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों में विरोध देखने को मिला था।

असम में दूसरी शादी करने पर होगी 10 साल तक की जेल

-विधानसभा से बिल पास, सीएम बोल- ये इस्लाम के खिलाफ नहीं

गुहाटी । असम विधानसभा ने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक विधेयक गुरुवार (27 नवंबर 2025) को पारित किया। इस कानून के तहत अगर कोई ऐसा करता है तो उसे अपराध माना जाएगा और कुछ अपवादों को छोड़कर इसके लिए अधिकतम 10 वर्ष की कैद हो सकती है। साथ ही पीड़ित को 1।40 लाख रुपये मुआवजा देने का भी प्रावधान है।

सीएम बोल- ये इस्लाम के खिलाफ नहीं-

विधेयक में अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी के लोगों और छठी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को कानून के दायरे से बाहर रखा गया है। असम बहुविवाह निषेध विधेयक, 2025 के पारित किए जाने के दौरान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि यह कानून धर्म से परे है और इस्लाम के खिलाफ नहीं है जैसा कि एक वर्ग इसे मान रहा है।" बहुविवाह के दोषी को कानून के अनुसार सात साल तक की जेल और जुर्माने की सजा हो सकती है। यदि कोई व्यक्ति अपनी मौजूदा शादी को छिपाकर दूसरी शादी करता है तो उसे 10 साल कारवास और जुर्माने की सजा हो सकती है।

'हिंदू भी बहुविवाह से मुक्त नहीं'-

उन्होंने कहा, "हिंदू भी बहुविवाह से मुक्त नहीं हैं। यह हमारी भी जिम्मेदारी है। इस विधेयक के दायरे में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और सभी अन्य समाजों के लोग आएंगे।" मुख्यमंत्री की ओर से सभी विपक्षी सदस्यों से अपने-अपने संशोधन वापस लेने का अनुरोध किया गया ताकि सदन में यह संदेश जाए कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विधेयक सर्वसम्मति से पारित हो गया है।

फिर सीएम बना तो असम में लागू होगा UCC-

हिमंत बिस्वा सरमा के अनुरोध के बावजूद ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने अपने संशोधन सुझाव आगे बढ़ाए, जिन्हें ध्वनि मत से खारिज कर दिया गया। समान नागरिक संहिता (UCC) के बारे में बात करते हुए सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि अगर वह अगले साल असम विधानसभा चुनावों के बाद फिर से मुख्यमंत्री बनते हैं तो इसे असम में लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, "मैं सदन को आश्वस्त करता हूं कि यदि मैं मुख्यमंत्री के रूप में वापस आता हूं तो नई सरकार के पहले सत्र में यूसीसी विधेयक पेश किया जाएगा और उसे लागू किया जाएगा।" उन्होंने कहा कि बहुविवाह पर प्रतिबंध यूसीसी के कार्यान्वयन की दिशा में एक कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा, "धोखाधड़ी से किये जाने वाले विवाह के खिलाफ फरवरी के अंत तक सत्र के दौरान एक विधेयक लाया जाएगा, इसलिए हमने लव-जिहाद के बारे में जो कुछ भी कहा है, हम उसे पूरा करेंगे।" उन्होंने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि सरकार लव जिहाद पर प्रतिबंध लगाएगी और इसके खिलाफ एक विधेयक पेश करेगी।

सागर बंधु ऑपरेशन:

भारत ने श्रीलंका में बड़े पैमाने पर चलाया बचाव और राहत अभियान

नई दिल्ली । श्रीलंका में चक्रवाती तूफान 'दित्वाह' की तबाही के बाद भारत ने बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान शुरू किए हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) और भारतीय वायुसेना (IAF) लगातार श्रीलंका के कई इलाकों में लोगों को बचाने, इलाज उपलब्ध कराने और राहत सामग्री पहुंचाने में जुटे हुए हैं। विदेश मंत्रालय (MEA) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कई अपडेट साझा करते हुए बताया कि 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत NDRF ने श्रीलंका के कोचिकाडे, पुत्तलम और बदुल्ला में बचाव कार्य किए हैं।

भारतीय वायुसेना के Mi-17 हेलीकॉप्टरों ने श्रीलंका के कोटमाले क्षेत्र से 34 लोगों को जिनमें बच्चे भी शामिल थे। कोलंबो सुरक्षित पहुंचाया। इसके अलावा, वायुसेना की टीमों ने प्रभावित इलाकों में चिकित्सा सहायता और खाद्य सामग्री भी पहुंचाई। इसी दौरान, सोमवार को भारतीय नौसेना का जहाज INS सुकन्या त्रिंकोमाली बंदरगाह पहुंचा, जो अपने साथ बड़ी मात्रा में राहत सामग्री लेकर आया था।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने जानकारी दी कि रविवार को भी एक भारतीय वायुसेना का विमान आपदा राहत सामग्री लेकर कोलंबो उतरा। भारतीय वायुसेना ने बताया कि 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत IAF के C-17 विमान ने पुणे से NDRF की टीमों और उपकरणों को श्रीलंका भेजा। भारत ने अब तक 21 टन राहत सामग्री, 80 से अधिक NDRF कर्मियों और 8 टन उपकरण श्रीलंका पहुंचाए हैं। भारत का यह तेज और समन्वित मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (HADR) अभियान उसकी अपने पड़ोसी देश के प्रति प्रतिबद्धता को दिखाता है। श्रीलंका में चक्रवात दित्वाह से स्थिति बेहद गंभीर है। देश के 'डेली मिरर' अखबार के मुताबिक, कम से कम 334 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और 370 लोग अभी भी लापता हैं। ऐसे में भारत की मदद वहां राहत और बचाव कार्यों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

डीएसपी की वर्दी में दिखा निकहत का 'दबंग' स्वैग

-नए लुक से सोशल मीडिया पर उड़ाया गर्दा

हैदराबाद । भारत की स्टार महिला बॉक्सर निकहत जरीन ने डीएसपी की वर्दी में अपने 'दबंग' स्वैग से तहलका मचा दिया है। निकहत जरीन ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने कुछ फोटोज शेयर किए हैं, जिसमें वह अपने नए लुक से सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा बटोर रही हैं। बता दें कि निकहत जरीन दो बार की वर्ल्ड चैंपियन हैं, जिन्होंने साल 2022 और 2023 में गोल्ड मेडल जीते हैं। निकहत जरीन ने साल 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड और 2022 एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल भी जीता है। डीएसपी की कुर्सी तक पहुंचने के लिए निकहत जरीन को काफी संघर्ष करना पड़ा है। निकहत जरीन का जन्म 14 जून 1996 को आंध्र प्रदेश के निजामाबाद में हुआ था। निकहत जरीन के पिता का नाम मोहम्मद जमील अहमद और मां का नाम परवीन सुल्ताना है। निकहत जरीन ने निजामाबाद के निर्मला हृदय गर्ल्स हाई स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की थी। निकहत जरीन ने इसके बाद हैदराबाद के एवी कॉलेज से ह्मैनिटीज में स्नातक की पढ़ाई की थी।

13 साल की उम्र में बॉक्सिंग सीखना शुरू कर दिया-

निकहत जरीन ने 13 साल की उम्र में बॉक्सिंग सीखना शुरू कर दिया था और इसमें उन्हें अपने पिता का भी सपोर्ट मिला। निकहत जरीन ने अपनी पढ़ाई के साथ बॉक्सिंग को भी जारी रखा, लेकिन उन्होंने चुनौतियों से हार नहीं मानी। निकहत जरीन के पिता मोहम्मद जमील अहमद उन्हें हमेशा समर्थन देते रहे। साल 2021 में निकहत जरीन को हैदराबाद के एसी गार्ड्स एरिया में स्थित बैंक ऑफ इंडिया के जोनल कार्यालय में स्टाफ ऑफिसर नियुक्त किया गया था। निकहत जरीन को सितंबर 2024 में तेलंगाना पुलिस में डीएसपी के रूप में नियुक्त किया गया।

निकहत जरीन के परिवार में कौन-कौन?-

निकहत जरीन के परिवार में उनसे बड़ी दो बहनें और एक छोटी बहन है। निकहत जरीन के पिता जमील अहमद खुद पूर्व फुटबॉलर और क्रिकेटर रह चुके हैं। निकहत जरीन की कहानी प्रेरणादायक है, क्योंकि उन्होंने अपने परिवार और समाज की चुनौतियों का सामना करते हुए अपने सपनों को पूरा किया है। निकहत जरीन और मेरी कॉम के बीच विवाद 2019 में हुआ था। तब भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (BFI) ने मेरी कॉम को ओलंपिक क्वालीफायर के लिए बिना ट्रायल के सीधे चयन करने का फैसला किया था। निकहत जरीन ने इस फैसले के खिलाफ आवाज उठाई थी और ट्रायल की मांग की थी। आखिरकार, ट्रायल हुआ और मेरी कॉम ने निकहत जरीन को 9-1 से हराया था।

शेख हसीना को फांसी के बाद 21 साल जेल की भी सजा

-बांग्लादेश कोर्ट ने जमीन घोटाले में माना दोषी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ एक और बड़ा फैसला आया है। मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए मौत की सजा के बाद शेख हसीना को भ्रष्टाचार के तीन अलग-अलग मामलों में प्रत्येक में सात साल की सजा सुनाई गई है। कुल मिलाकर उन्हें 21 साल जेल की मिली है। ढाका के स्पेशल जज कोर्ट- 5 ने गुरुवार, 27 नवंबर को यह फैसला सुनाया। शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय और बेटी साइमा वाजेद पुतुल को भी तीन मामलों में से एक में पांच-पांच साल जेल की सजा सुनाई गई है। एंटी करप्शन कमिशन (ACC) ने जमीनों के आवंटन से जुड़े भ्रष्टाचार को लेकर शेख हसीना पर जनवरी में छह अलग-अलग मामले दर्ज किए थे। शेख हसीना के अलावा उनके बेटे साजिब वाजेद जॉय और बेटी साइमा वाजेद पुतुल भी इन मामलों में आरोपी थे और उन्हें भी सजा मिली है। बांग्लादेशी प्रमुख अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, 20 अन्य आरोपियों में से 19 को अलग-अलग जेल की सजा मिली, और एक को तीनों मामलों में बरी कर दिया गया। इस हाई-प्रोफाइल फैसले से पहले ढाका में सेशन कोर्ट के एंट्री गेट पर अतिरिक्त पुलिस चौकियों के साथ सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी, और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के जवानों को भी तैनात किया गया था। इससे पहले 17 नवंबर को शेख हसीना को बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल के साथ मौत की सजा सुनाई थी।

मिर्जापुर जिले का बदलेगा नाम?

-कैबिनेट मंत्री नंदी के सामने रखा गया प्रस्ताव, नया नाम भी सुझाया

लखनऊ । एक दिन पहले सीएम योगी ने गाजियाबाद में कुशीनगर जिले के फाजिलनगर का नाम बदलकर उसे पावानगरी करने की घोषणा की थी। अब मिर्जापुर जिले का नाम बदलने को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कैबिनेट मंत्री नंदगोपाल नंदी के सामने मिर्जापुर का नाम बदलने को लेकर प्रस्ताव भी रख दिया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष ने मिर्जापुर को विंध्याचल धाम करने का प्रस्ताव रखा है, जिस पर सहमति भी बन गई है। मंत्री नंदी ने जिला प्रशासन से प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए हैं। अष्टभुजा निरीक्षण गृह के सभागार में जिला प्रशासनिक समन्वय समिति एवं कोर कमेटी की गुरुवार को बैठक हुई थी। मीटिंग में प्रभारी मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' भी मौजूद थे। मीटिंग में पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने कई मुद्दों को उठाया। राजगढ़ में अवैध मादक पदार्थ की बिक्री और बिजली विभाग के विजिलेंस के एक दरोगा पर भाजपा कार्यकर्ता से अवैध वसूली करने का मुद्दा उठाया गया। प्रभारी मंत्री ने दोनों मामलों में संबंधित अफसरों को कार्रवाई का निर्देश दिए। इसी दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी ने मिर्जापुर का नाम बदलकर विन्ध्याचल धाम करने का प्रस्ताव समिति के माध्यम से शासन को भेजने की मांग की। मीटिंग में मौजूद लोगों ने मिर्जापुर का नाम बदलने को लेकर सहमति भी जता दी। सबकी सहमित के बाद मंत्री नंदी ने जिला प्रशासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश जारी कर दिए। मंत्री के निर्देश के बाद से ही मिर्जापुर का नाम बदलने की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल-अरेस्ट मामलों में CBI को फ्री-हैंड्स जांच का दिया आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देशभर में डिजिटल-अरेस्ट स्कैम से जुड़े मामलों की जांच के लिए सीबीआई को स्वतंत्र रूप से कार्रवाई करने का आदेश दिया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि सीबीआई एफआईआर न होने पर भी उन खातों को फ्रीज कर सकती है जिनका इस्तेमाल साइबर अपराधों और फ्रॉड में किया गया हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डिजिटल-अरेस्ट स्कैम देश की प्रमुख जांच एजेंसी का तत्काल ध्यान खींचता है, इसलिए सीबीआई को सबसे पहले इन मामलों की जांच करने का निर्देश दिया गया है। जांच के दौरान बैंकिंग क्षेत्र में शामिल बैंकरों की भूमिका की स्वतंत्र जांच के लिए भी सीबीआई को पूर्ण स्वतंत्रता दी गई है। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) को मामले में जोड़ा और उनसे यह जानकारी देने के लिए कहा कि कब एआई/एमएल आधारित सिस्टम का उपयोग संदिग्ध खातों की पहचान और अपराध की राशि को तुरंत फ्रीज करने के लिए किया जा सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के तहत काम करने वाले सभी इंटरमीडियरीज को सीबीआई को पूर्ण सहयोग देने का निर्देश भी दिया गया।

अभी तक जिन राज्यों ने सीबीआई को सामान्य सहमति नहीं दी है, उन्हें आईटी एक्ट के तहत जांच के लिए सहमति देने का निर्देश दिया गया ताकि पूरे देश में व्यापक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अपराधों की व्यापकता और उनके क्रॉस-बॉर्डर स्वरूप को देखते हुए, सीबीआई इंटरपोल से भी सहायता ले सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी नोट किया कि टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं की ओर से सिम कार्ड जारी करने में गंभीर लापरवाही हुई है, जिसमें एक ही नाम पर कई सिम कार्ड भी शामिल हैं। इसलिए दूरसंचार विभाग को उपायों का प्रस्ताव पेश करने का निर्देश दिया गया है ताकि सिम कार्ड के दुरुपयोग को रोका जा सके।

इसके अलावा, सभी राज्यों को निर्देश दिया गया कि वे जल्दी से जल्दी राज्य साइबरक्राइम सेंटर स्थापित करें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये आदेश फिलहाल केवल डिजिटल-अरेस्ट स्कैम से संबंधित हैं और अन्य प्रकार के साइबर अपराधों की निगरानी के संबंध में निर्णय बाद में लिया जाएगा। सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया सुनिश्चित करेंगे कि गृह मंत्रालय, दूरसंचार विभाग और वित्त मंत्रालय उचित रूप से प्रतिनिधित्व करें और उनकी राय कोर्ट के सामने रखी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि आईटी नियमों के तहत सभी राज्यों में दर्ज FIR या साइबर अपराध मामलों में शामिल मोबाइल डिवाइस का डेटा सुरक्षित रखा जाए।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

एसआईआर पर विरोध क्यों बढ़ता जा रहा है?

देश में चुनाव आयोग एसआईआर करवा रहा है। एसआईआर के कारण देश में दर्जनों बीएलओ की काम की अधिकता के कारण जान चली गई। देश की जनता अपने सभी काम-धंधा छोड़कर सिर्फ एसआईआर के फॉर्म भरने में लगी है। मजदूर, किसान और कम पढ़े-लिखे लोग एसआईआर फॉर्म भरने में परेशानी महसूस कर रहे हैं। एसआईआर में 2002 की मतदाता सूची में स्वयं का या माता-पिता का नाम जरूरी माना गया है। यदि ऐसा नहीं है तो उस व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में से काट दिया जाएगा। चाहे उसके पास कितने भी दस्तावेज हो जो उसकी नागरिकता सिद्ध करते हो, नहीं माना जाएगा। बिहार में लाखों लोगों के मतदाता सूची से नाम हटा दिए गए। देश के विपक्षी दल भाजपानीत केंद्र सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि एसआईआर विपक्षी पार्टियों और विरोधी विचारधारा के लोगों के नाम मतदाता सूचियों से हटाने का तरीका है। विपक्ष पहले भी भाजपा सरकार पर मतदाता सूचियों और ईवीएम में हेरा-फेरी का भी आरोप लगा चुका है। वर्तमान में एक बात और है जो देश के लोगों के दिमाग में बैठा दी गई है, वह नागरिकता का मामला। यदि मतदाता सूची में किसी व्यक्ति का नाम नहीं है उसको देश का नागरिक नहीं माना जाएगा। जो लोग पीढ़ियों से देश में रह रहे हैं, व्यवसाय कर रहे हैं, स्वयं के मकान हैं, और जमीन है, फिर भी उसका नाम मतदाता सूची में नहीं है तो उसे देश का नागरिक नहीं माना जा सकता है। यह देश की जनता के लिए अजीब स्थिति बन गई है। इसी कारण देश की जनता और विपक्षी दलों में हलचल है और विरोध के स्वरो की शुरुआत कर दी गई है। विपक्षी दलों को डर है कि यदि एसआईआर वर्तमान चुनाव आयोग के अनुसार होती गई तो देश में विपक्ष इतना कमजोर हो जाएगा जिससे सरकार को कोई खतरा ही नहीं हो। चुनाव आयोग पर सरकार के पक्ष में काम करने का आरोपी नहीं है बल्कि विपक्ष सबूत दे रहा है कि चुनाव आयोग भाजपा को जिताने के लिए एक एजेंसी की तरह काम कर रहा है। एसआईआर को भी विपक्ष भाजपा विरोधी मतदाताओं को मतदाता सूचियां से हटाने का हथकड़ा माना जा रहा है। चुनाव आयोग विपक्षी दलों के किसी विरोध और सवालों का जवाब नहीं देना चाहता है। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। केंद्र सरकार और चुनाव आयोग मिलकर नए-नए ऐसे तरीके ढूंढ कर ला रहे हैं जो लोकतंत्र के लिए खतरा है। ईवीएम से चुनाव अब देश में निष्पक्ष और साफ सुथरा नहीं माना जाता है। एकमात्र भारत देश में ही ईवीएम से चुनाव होता है जबकि जिन देशों ने ईवीएम को बनाया वहां अब बैलेट से चुनाव करवाए जा रहे हैं। क्योंकि ईवीएम एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन जिसको किसी पक्ष में या अपनी मंशा अनुसार हैक किया जा सकता है। इन सभी कारणों से विपक्षी पार्टियां देश में एसआईआर और ईवीएम का विरोध करने लगी है। एसआईआर के खिलाफ विरोध दिन व दिन बढता जा रहा है।

भारत में सुदृढ़ लोकतंत्र की स्थापना में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर का योगदान

किसी भी देश के प्रगति करने के लिये वहाँ के निवासियों द्वारा माने जाने वाले रीति-रिवाज़ और नियम काफी हद तक जिम्मेदार हैं। यही जब लिखित रूप में होते हैं तो संविधान कहलाते हैं। भारत में लोकतंत्र के पूर्व राजतंत्र था, इधर-उधर बिखरी रियासतें थी, जिनका शासन मनुस्मृति अथवा कुरान के अनुसार चलता था। ब्रिटिश शासन पहले कम्पनी के तथा बाद में भारतीय दण्ड संहिता के अनुसार चला। आजाद भारत का संविधान बनाने हेतू 41 समितियां बनाई गईं, जिनमें संविधान प्रारूप समिति प्रमुख थी, जिसके अध्यक्ष डॉ. भीमराव अम्बेडकर थे तथा छः अन्य सदस्य थे। एक प्रकार से सारा कार्यभार डॉ. अम्बेडकर को ही वहन करना पड़ा, अतः वे ही संविधान निर्माता कहलाये। उन्होंने जो संविधान तैयार किया, वह विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान साबित हुआ। इसकी उद्देशिका को ही देखें, तो पाते है कि उन्होंने भारत को सुदृढ़ लोकतंत्रात्मक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है-

"हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्वसम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिये, तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म, और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिये तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढ़ाने के लिये दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1946 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।" लोकतंत्र की स्थापना के लिये जिन-जिन तत्वों का होना आवश्यक है, वे सभी इसमें शामिल हैं। उक्त शब्द स्पष्टतः भारत में नई सामाजिक व्यवस्था पर बल देते हैं। जैसा कि बाबा साहेब ने संविधान सभा की 25 नवम्बर को आयोजित की गई बैठक में कहा, "संविधान सभा में मैं क्यों आया ? केवल दलित वर्ग के हितों की रक्षा करने के लिये। इससे अधिक और मेरी कोई आकांक्षा नहीं थी। यहाँ मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जायेगी, इसकी मुझे कल्पना तक नहीं थी।" बाबा साहेब के बनाये संविधान से सभी नागरिकों को उचित न्याय मिला और देश प्रगति की राह पर आगे बढ़ा। विश्व में कई ऐसे देश हैं, जो भारत के साथ स्वतंत्र हुए, परन्तु उनमें लोकतंत्र खत्म हो चुका है अथवा समाप्त हो रहा है, नागरिकों के अधिकार खतरे में हैं। भारत में यदि ये सब सुरक्षित हैं, फल-फूल रहे हैं तो इसका श्रेय संविधान को और अंततः संविधान निर्माता को ही है। दूर क्यों, पड़ोस में पाकिस्तान में ही लोकतंत्र के हालात सर्वविदित हैं। बाबा साहेब ने समस्त भारतीय समाज को एक इकाई मानकर सभी नागरिकों को एक समान अधिकार दिये। मूलतः भारतीय समाज भारतीय संविधान में सन्निहित है। आज का भारतीय समाज सभी धर्मों तथा जातियों का सम्मिश्रण है। जब तक कमजोर वर्ग, पिछड़े और निर्धन लोग भारतीय समाज में रहेंगे, जब तक उनके साथ न्याय नहीं होगा, तब तक देशभक्ति और राष्ट्रवाद की भवनायें निर्बल ही रहेंगी। बाबा साहेब ने संविधान में इनको सबल बनाने के पूर्ण उपाबन्ध किये हैं, आवश्यकता केवल उनको ईमानदारी से लागू करने की है। जहाँ सामाजिक न्याय नहीं होता, वहाँ व्यक्ति की आजादी, चिंतन व अभिव्यक्ति का अभाव होने लगता है, जिससे वह अन्दर से खोखला होकर टूट-सा जाता है। व्यक्ति ही समाज और राष्ट्र को बनाता है, अतः डॉ. अम्बेडकर ने संविधान में जो उपाबन्ध किये हैं, वे इसीलिये हैं कि राष्ट्र सुदृढ़ रह सके।

संविधान निर्माता के रूप में उन्होंने सभी प्रकार के भेद से ऊपर उठकर अपने कर्तव्यों को पूर्ण किया। इससे लोकतंत्र की जड़ों को मजबूती मिली। संविधान और शासन व्यवस्था का मुख्य केन्द्र व्यक्ति को माना गया है। इससे व्यक्ति की प्रतिष्ठा और गरिमा को सर्वोच्च स्थान मिलता है। एक व्यक्ति-एक मत और एक मत-एक मूल्य व्यक्ति की गरिमा का द्योतक है। व्यक्ति चाहे चपरासी हो या राष्ट्रपति, भिखारी हो या खरबपति, ब्राह्मण हो या महादलित, एक ही वोट डालने का हकदार हैं और वोट का मूल्य भी एक ही गिना जाता है। यह भारतीय संविधान को बाबा साहेब की अनूठी देन है जो भारत में हर प्रकार की समानता का उद्घोष करती है। भारत का संवैधानिक कानून एक ही वर्ग या समुदाय के प्रभुत्व का निषेध करता है। बाबा साहेब का कहा कि न्याय सामान्यतः स्वतंत्रता, समानता और भ्रातृभाव का ही दूसरा नाम है। यदि सामाजिक जनतंत्र नहीं है तो राजनैतिक जनतंत्र आगे नहीं बढ़ सकता।

सामाजिक न्याय की धारणाओं में बाबा साहेब की धारणा सर्वोच्च ठहरती है, जिसका आधार समस्त प्राणियों की समानता, समान प्रतिष्ठा, कमजोरों के प्रति सम्मान की भावना, समान मानवाधिकार, पारस्परिक प्रेम, सहयोग, तथा सामाजिक सद्भाव रहा है। अतः संविधान के मूल में सामाजिक न्याय के होने से देश में लोकतंत्र का सुदृढ़ होना स्वभाविक है। यदि राजनैतिक व्यवस्था के मूल में सामाजिक न्याय नहीं है तो वह व्यवस्था अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकती है। संविधान प्रत्येक व्यक्ति के लिये उसकी योग्यता और मौलिक अधिकारों के अनुसार जीवन प्रदान करता है। यह डॉ. अम्बेडकर की विस्तृत सोच का ही नतीजा है कि हमारा संविधान भ्रातृत्व, सामाजिक बन्धुत्व, सहयोगी रहन-सहन, प्रेम तथा मैत्री का जीवन प्रदान करता है जो कि लोकतंत्र के लम्बे जीवन हेतु आवश्यक है। यह रंग, जाति एवं धर्म के भेदभाव के बिना राष्ट्रीय एकता और अखण्डता का जीवन प्रदान करता है जो कि देश में लोकतंत्र को सुदृढ़ करने हेतु महत्त्वपूर्ण कारक है। संविधान भारतीय सभ्यता और संस्कृति के पुरातनवादी प्रतीकों और मूल्यों को अस्वकार करता है जो कि समाज में और अंततः राष्ट्र में विषमता, अलगाववाद, और घृणा के बीज बोते हैं जैसे-जाति व्यवस्था, वर्ण-व्यवस्था, क्षेत्रवाद, छुआछूत आदि।

अतः संविधान तो व्यवस्था का एक आधार है। उसे चलाने वाले जनप्रतिनिधि और राज्याधिकारी होते हैं। संविधान, जनप्रतिनिधि और राज्याधिकारी, तीनों का सहयोग तथा भागीदारी आवश्यक है ताकि वे मिलकर सम्पूर्ण समाज का सामान्य हित कर सकें। और अंत में, संविधान सभा में दिये गये बाबा साहेब के ऐतिहासिक भाषण का उल्लेख करना यहाँ अप्रासंगिक नहीं होगा, जिसमें उन्होंने संविधान को लेकर भावी खतरों के प्रति भारतीय नागरिकों को चेताया था- "26 जनवरी 1950 को हम अन्तर्विरोधों की जिन्दगी में प्रवेश करने जा रहे हैं। राजनीति में हम समानता प्राप्त करेंगे और हमारे सामाजिक और आर्थिक जीवन में असमानता होगी। राजनीति में हम एक आदमी एक वोट, एक वोट एक कीमत के सिद्धान्त को पाने जा रहे हैं। हम सामाजिक और आर्थिक जीवन में उक्त सिद्धान्त को अस्वीकार करते रहेंगे। प्रतिरोधों के इस जीवन को हम कब तक वहन करते रहेंगे ? हम अपने सामाजिक एवं आर्थिक जीवन में कब तक समानता को नकारते रहेंगे ? अगर यह असमानता की स्थिति लगातार बनी रही तो राजनैतिक स्वतंत्रता खतरे में पड़ जायेगी। जितनी जल्दी हो सके, इस अन्तर्विरोध को समाप्त करना होगा, वरना वे लोग, जो इस असमानता को भोग रहे हैं, राजनैतिक लोकतंत्र के ढ़ाँचे को, जिसे संविधान सभा ने बड़ी मेहनत से बनाया है, उड़ाकर रख देंगें।" अतः संविधान निर्माता ने तो संविधान को जितना अच्छा बना सके, बना दिया, अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम किस तरह इसे लागू कर पाते है जिससे कि यह सर्वश्रेष्ठ साबित हो सके। यही हमारी ओर से बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धाञ्जलि होगी।

डॉ. श्याम सुन्दर बैरवा
सहायक प्रोफेसर,
एमएलवीटीइसी, भीलवाड़ा

औलाद: एक अमानत और एक आज़माइश

इस्लाम में औलाद को अल्लाह की तरफ़ से एक बहुत बड़ी नेमत और साथ ही एक अमानत क़रार दिया गया है। वालिदैन (माता-पिता) को इस अमानत की हिफ़ाज़त और सही तरबियत करने का हुक्म दिया गया है, जिसकी पूछ क़यामत के दिन होगी। नबी-ए-करीम (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फ़रमाया, "तुम में से हर कोई निगहबान है और उससे उसकी रिआया (अधीनस्थों) के बारे में पूछा जाएगा।" माँ-बाप की सबसे पहली ज़िम्मेदारी यह है कि वे अपनी औलाद को एक अच्छा इस्लामी माहौल दें। इसमें उन्हें अच्छा नाम देना, सही वक़्त पर अक़ीक़ा करना और सबसे बढ़कर दीनी तालीम से आरास्ता करना शामिल है। उन्हें बचपन से ही अल्लाह की पहचान, नबी-ए-करीम (□) की मुहब्बत, क़ुरान की तालीम, नमाज़ की आदत और हलाल-हराम की तमीज़ सिखानी चाहिए। इसके अलावा, माँ-बाप का फ़र्ज़ है कि वे अपनी औलाद के सामने एक बेहतरीन नमूना बनें। बच्चे नसीहत से ज़्यादा अपने वालिदैन के अमल (कर्म) से सीखते हैं। अगर वालिदैन ख़ुद सच बोलेंगे, अमानतदार होंगे और दूसरों के साथ अच्छा सुलूक करेंगे, तो बच्चे भी इन सिफ़ात को अपनाएंगे। औलाद की तरबियत सिर्फ़ उनकी दुनियावी ज़रूरतों को पूरा करने का नाम नहीं है, बल्कि उन्हें एक अच्छा इंसान और एक सच्चा मुसलमान बनाना है ताकि वे दुनिया और आख़िरत, दोनों में कामयाब हो सकें।

हजरत खालिद बिन वलीद रजि. अ. और आपकी कुलाह (टोपी)

हज़रत खालिद बिन वलीद ज़मानाये कुफ्र में मक्का मुकर्रिमा में पैदा हुए। जंगे ओहद जो सन तीन हिजरी में लड़ी गयी थी आप (खालिद बिन वलीद) मुसलमानों के खिलाफ कुरैश के एक लशकर की कमान संभाल रखे थे। जब जंग शुरु हुई तो पहले तो मुसलमानों का पल्ला भारी रहा और कुरैश की फौज में से बहुत से लोग मारे गये। इस मार काट से कुरैश (काफिरों) की फौज में बेतरतीबी और अफरा तफरी फैल गयी। मुसलमान यह समझे कि उन्होंने मैदान मार लिया है और उनको फतह हासिल हो गयी है । चुनाचि उन्होंने माले-ग़नीमत लूटना शुरू कर दिया। उधर दर्रे की तरफ जिन पचास जांबाजों की हुजूर स.अ.व. ने हिफाजुत की जिम्मेदारी सौंपी थी और मुहाफिज़ मुकर्रर किया था वोह भी यही समझे कि जीत हो गयी और लड़ाई खत्म हो गयी तो वो भी माले-ग़नीमत के लिए दौड़े । उनके सरदार अब्दुल्लाह बिन जुबेर रज़ि.अ. ने उन्हें रोका और उन्हें हुजूर स.अ.व. का हुक्म भी याद दिलाया, मगर चन्द अफराद के कोई भी नहीं रुका और दर्रा छोड़कर चले गये। खालिद बिन वलीद ने इस मौके का फायदा उठाकर पहाड़ी के पीछे से मुसलमानों पर हमला कर दिया। हज़रत अब्दुल्ला बिन जुबेर रजि.अ. और उनके कुछ साथी जो दर्रे की हिफाजत के लिये बाकी रह गये थे उन्होंने मुकाबला भी किया। लेकिन वोह काफिरों के इस हल्ले को ना रोक सके और शहीद हो गये । अब दुश्मन मुसलमानों पर यकायक पीछे से आकर टूट पड़े। जब भागते हुए लोगों ने जंग में यह रंग देखा तो वो ही पलट पड़े और दोनों तरफ से मुसलमानों पर हमला हो गया। मुसलमान बौखला गये और एक दम लड़ाई का पासा पलट गया। मुसलमान तितर बितर होकर भागने लगे। इस घबराहट में यह अफवाह भी उड़ गयी कि हुजूर स.अ.व. शहीद हो गये। इस खबर से मुसलमानों के हौंसले पस्त हो गए, उनके ओसान ख़ता हो गये और लोगों ने हिम्मत हार दी और इस तरह खालिद बिन बलीद की सूझ-बूझ से और जंगी महारथ से कुरैश को फतह और मुसलमानों को शिकस्त हो गयी। इसी जंग में हुजूर स.अ.व. जख्मी होकर एक गड्ढे में गिरे थे तो हज़रत अली रजि.अ. और हज़रत तलहा रज़ी.अ. ने आप को निकाल कर खड़ा किया था। हज़रत खालिद बिन वलीद ने सफरुल-मुज़फ्फर सन सात हिजरी में इस्लाम कबूल किया (रज़ी.अ.) आप अपनी कुफ्र की हालत की ज़िन्दगी पर बहुत अफ़सोस किया करते थे और अक्सर परेशान रहते।

कुफराना ज़िन्दगी के गुनाहों की तौबा किया करते और पछताते रहते थे कि अल्लाह तआला मेरी कुफराना ज़िन्दगी के गुनाहों को माफ़ करेगा या नहीं। क्योंकि मेरी कुफराना जिन्दगी के गुनाह तो बेहिसाब हैं और मैंने अब इस्लाम कबूल किया है। इस पछतावे का ज़िक्र जब आपने हुजूर स.अ.व. से किया तो आप स.अ.व. ने फरमाया कि तुम अपनी पिछली जिन्दगी के गुनाहों पर रंजीदा न हो और न परेशान हो क्यूंकि अब तुमने इस्लाम कुबूल कर लिया है, अल्लाह तआला तुम्हारी पिछली जिन्दगी के तमाम गुनाह इस्लाम कबूल करने की बरकत से माफ कर देगा । अल्लाह बड़ा रहीमो करीम है। इस्लाम कबूल करने के बाद आप सहावा में शामिल हो गये। आप चूंकि बहुत क़वी, बहादुर और आला हिम्मत वाले थे। आप जंगी उसूलों के माहिर और दुश्मन की फौज़ का किस तरह मुकाबला किया जाता है, इस फन में माहिर थे। इसलिये आपने इस्लाम के फ़रोग (फैलाने) के लिये कई जंगें भी लड़ीं और फतह भी हासिल की जिसके बाइस आपको सैफुल्लाह यानि अल्लाह की तलवार का खिताब मिला। जंग यर यूक में भी हज़रत खालिद बिन वलीद रजि.अ. ने शिरकत की थी। इस जंग में आपकी कुलाह जिसको हर जंग में अपने सिर पर पहन कर लड़ा करते थे, गुम हो गयी। टोपी के गुम होने पर आप बहुत परेशान हो गये क्यूंकि आप इस कुलाह (टोपी) को बहुत अज़ीज़ रखते थे। आपने अहले लश्कर को आपकी टोपी तलाश करने का हुक्म दिया कि वोह टोपी तलाश करें। अहले लश्कर हैरान व परेशान थे कि आखिर इस टोपी में ऐसा क्या है जो आज इतने रंजीदा खातिर हो रहे हैं।

आखिरकार तमाम लश्कर में टोपी तलाश किये जाने पर यह टोपी दस्तयाब (मिलना)) हो गयी। जब आपको इस टोपी के गुम होने पर इतने ज़्यादा रंजीदा, फिक्रमन्द और हैरानो परेशान होने का सबब मालूम किया तो आपने फरमाया कि जब नबी स.अ.व. ने उमराह किया था और जब आपने उमराह के बाद अपने सर के बाल साफ किये थे, तब लोग दौड़- दौड़कर आपके मुए मुबारक (बाल) इकट्ठे (जमा) कर रहे थे तो मैंने भी उनके साथ दौड़कर आपके सामने के सर के मूए मुबारक हासिल किये और उन बालों को इस टोपी में परख लिया था। जो आज तक इस टोपी में महफूज हैं और ये हर जंग में इस टोपी को ही पहनता हूं । अल्लाह हुजूर के इन मुए मुबारक के तुफेल मुझे हर जंग कामयाबी अता फरमाता है। मुशरिकों के मुखालिफ एक और जंग में आपको भेजा गया। इत्तेफ़ाक से जंग में जाते वक्त अपनी यह टोपी घर पर ही भूल गये। जब आपकी अहलिया ने देखा कि आप जंग को जा चुके हैं और टोपी घर पर ही रह गयी है तो दौरान जंग ही आपकी अहलिया टोपी लेकर मैदान-ए-जंग गईं ।

आपको टोपी पेश की, जिसको आपने अपने सर पर पहना और फिर दुश्मन से मुकाबले के लिये निकले, इस जंग में भी फतह व कामयाबी ने आपके कदम चूमे और काफ़िर "मगलूब हो भाग खड़े हुये। इस तरह कुफ्र पर इस्लाम का गलबा हो गया। आपका काफिरों पर इस कदर रौब व दबदबा कि आप जिस लश्कर की कमान सभालते थे तो दुश्मन आपके नाम से ही मैदान छोड़ देते थे। एक जंग में हज़रत खालिद बिन वलीद रज़ि.अ. का मुकाबला रूमी लश्कर से था । जब रूमी फरमांखा को यह खबर मिली कि हमारे मुकाबले में खालिद बिन वलीद अपने लाओ लश्कर के साथ मुकाबले पर आ रहे हैं तो उसने फौरन सुलह का पैगाम भेजा और बगैर किसी जंग के ही सुलह हो गयी । आप अपनी फतहयाबी की हुजूर स.अ.व. की दुआओं और आपके मुए मुबारक के तुफेल मानते थे जिनके वाइसही आपने कोई जंग नहीं हारी। हमारे पास हुजूर स.अ.व. की दुआएं और तबर्रुकात तो नहीं है, मगर आपकी सीरत, सुन्नत, असवाए हसना और कुरआनी तालीमात मौजूद हैं। इसलिये हमको इन पर ज्यादा से ज्यादा अमल करने और इनको अपनी दुनियावी जिन्दगी में ढालने की कोशिश करनी चाहिये । ताकि हम दुनिया आखिरत में कामयाबी व कामरानी हासिल कर सकें। अल्लाह तआला मुझे और सबको आप स.अ.व. की तालीमात और सुन्नत पर अमल की तौफीक अता फरमाएं । आमीन

-हबीबुल्ला एडवोकेट,
जवाहर नगर, जयपुर

टीपू सुल्तान: शेर-ए-मैसूर

"एक दिन बाघ के रूप में जीना एक हजार साल भेड़ के रूप में जीने से बेहतर है"

(1 दिसंबर 1751 - 4 मई 1799)

सुल्तान फतेह अली साहब टीपू ; जिसे आमतौर पर शेर-ए-मैसूर कहा जाता है । 1782 से 1799 में अपनी मृत्यु तक मैसूर के सुल्तान थे। वह रॉकेट तोपखाने के अग्रणी थे। उन्होंने लोहे के आवरण वाले मैसूर के रॉकेटों का विस्तार किया और सैन्य मैनुअल फतुल मुजाहिदीन को चालू किया। मैसूर की अर्थ-व्यवस्था उनके शासनकाल के दौरान चरम पर पहुंच गई। उन्होंने एंग्लो-मैसूर युद्धों के दौरान ब्रिटिश सेनाओं और उनके सहयोगियों के अग्रिमों के खिलाफ रॉकेट तैनात किए, जिसमें पोलिलुर की लड़ाई और श्रीरंगपट्टनम की घेराबंदी शामिल थी । टीपू सुल्तान और उनके पिता हैदर अली ने फ्रांसीसियों के साथ गठबंधन में अपनी फ्रांसीसी प्रशिक्षित सेना का इस्तेमाल अंग्रेज़ों के खिलाफ किया । 1782 में द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध के दौरान कैंसर से अपने पिता की मृत्यु के बाद टीपू मैसूर के शासक बने । टीपू ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का दुश्मन बना रहा। चौथे आंग्ल-मैसूर युद्ध में मराठों और हैदराबाद के निज़ाम द्वारा समर्थित ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की संयुक्त सेना ने टीपू को पराजित किया। 4 मई 1799 को अपने गढ़ श्रीरंगपट्टनम की रक्षा करते हुए उसकी मृत्यु हो गई। टीपू सुल्तान का जन्म 1 दिसंबर 1751 को बेंगलुरु से लगभग 33 किमी (21 मील) उत्तर में, वर्तमान बेंगलुरु ग्रामीण जिले के देवनहल्ली में हुआ था। उनका नाम अर्काट के संत टीपू मस्तान औलिया के नाम पर "टीपू सुल्तान" रखा गया था । टीपू के पिता, हैदर अली, मैसूर साम्राज्य में सेवारत एक सैन्य अधिकारी थे, जो 1761 में मैसूर के वास्तविक शासक बन गए थे । हैदर अली ने टीपू को उर्दू , फ़ारसी, अरबी, कन्नड़, बेरी, कुरान, इस्लामी न्याय-शास्त्र, घुड़सवारी, निशानेबाज़ी और तलवारबाज़ी जैसे विषयों की प्रारंभिक शिक्षा देने के लिए योग्य शिक्षकों की नियुक्ति की। टीपू अन्य धार्मिक त्योहारों को भी मनाने की अनुमति देने में धर्म-निरपेक्ष थे। टीपू सुल्तान की सेना द्वारा इस्तेमाल की गई बहुत छोटी तोप अब सरकारी संग्रहालय (एग्मोर), चेन्नई में है । टीपू सुल्तान ने 18 फरवरी 1782 को तंजौर के पास अन्नागुड़ी में कर्नल ब्रेथवेट को हराया। ब्रेथवेट की सेना, जिसमें 100 यूरोपीय, 300 घुड़सवार, 1400 सिपाही और 10 फील्ड पीस शामिल थे । टीपू सुल्तान ने उनकी सभी बंदूकें जब्त कर लीं और टुकड़ी को बंदी बना लिया। 29 दिसंबर 1782 को, टीपू सुल्तान ने 32 वर्ष की आयु में नवाब टीपू सुल्तान बहादुर की उपाधि के साथ खुद को मैसूर का बादशाह घोषित किया और सिक्का भी चलाया। 1799 में तीन सेनाओं ने मैसूर में प्रवेश किया- एक बॉम्बे से और दो ब्रिटिश, जिनमें से एक में आर्थर वेलेस्ली शामिल थे। उन्होंने चौथे मैसूर युद्ध में राजधानी श्रीरंगपट्टनम को घेर लिया । ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के 60,000 से अधिक सैनिक थे, लगभग 4,000 यूरोपीय और बाकी भारतीय; जबकि टीपू सुल्तान की सेना की संख्या केवल 30,000 के आस-पास थी। टीपू सुल्तान के मंत्रियों द्वारा अंग्रेजों के साथ काम करने और अंग्रेजों के लिए एक आसान रास्ता बनाने के लिए दीवारों को कमजोर कर दिया था। जब अंग्रेजों ने शहर की दीवारों को तोड़ दिया तो फ्रांसीसी सैन्य सलाहकारों ने टीपू सुल्तान को गुप्त मार्गों से भागने और बाकी युद्ध अन्य किलों से लड़ने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। टीपू ने प्रसिद्ध रूप से कहा था "एक दिन बाघ के रूप में जीना एक हजार साल भेड़ के रूप में जीने से बेहतर है"। जब उनकी मृत्यु हुई तो ब्रिटेन में खुशी का जश्न मनाया गया। टीपू ने अपने शासनकाल के दौरान एक नया कैलेंडर, नया सिक्का और सात नए सरकारी विभाग शुरू किए, तथा रॉकेट के उपयोग में सैन्य नवाचार किए। टीपू सुल्तान द्वारा उपयोग किए गए मैसूरी रॉकेटों को बाद में अंग्रेजों द्वारा अद्यतन किया गया और नेपोलियन बोनापार्ट युद्धों के दौरान क्रमिक रूप से नियोजित किया गया । दुलारी कुरैशी के अनुसार टीपू सुल्तान एक भयंकर योद्धा राजा थे और उनकी चाल इतनी तेज थी कि दुश्मन को ऐसा लगता था कि वह एक ही समय में कई मोर्चों पर लड़ रहे हैं। वह ब्रिटिश सेनाओं को हराने वाले कुछ भारतीय शासकों में से एक थे। टीपू सुल्तान के नौवाहन विभाग में एक मीर याम की सेवा में 11 कमांडर शामिल थे। टीपू सुल्तान ने आदेश दिया कि जहाजों के तले तांबे के हों, इस विचार से जहाजों की उम्र बढ़ गई और एडमिरल सुफ्रेन ने टीपू को इस विचार से परिचित कराया। मैसूर रेशम उद्योग की शुरुआत सबसे पहले टीपू सुल्तान के शासनकाल में हुई थी। उन्होंने रेशम की खेती और प्रसंस्करण का अध्ययन करने के लिए बंगाल सूबे में एक विशेषज्ञ को भेजा, जिसके बाद मैसूर ने पॉलीवोल्टाइन रेशम का विकास शुरू किया। टीपू और मैसूर का रेशम से नाता 1780 के दशक की शुरुआत में शुरू हुआ जब चीन उनके दरबार में आये राजदूत किंग राजवंश ने उन्हें एक रेशमी कपड़ा भेंट किया। टीपू इस रेशमी कपड़े से इतना प्रभावित हुआ कि उसने अपने राज्य में इसका उत्पादन शुरू करने का संकल्प लिया। उसने चीन को एक वापसी यात्रा भेजी, जो बारह साल बाद लौटी। 1787 में, टीपू सुल्तान ने ओटोमन साम्राज्य की राजधानी कॉन्स्टेंटिनोपल में ओटोमन सुल्तान अब्दुल हमीद प्रथम के पास एक दूतावास भेजा और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ तत्काल सहायता का अनुरोध किया । टीपू सुल्तान ने ओटोमन सुल्तान से सेना और सैन्य विशेषज्ञ भेजने का अनुरोध किया। इसके अलावा, टीपू सुल्तान ने मक्का, मदीना, नजफ़ और कर्बला में इस्लामी धार्मिक स्थलों के रख-रखाव में योगदान देने के लिए ओटोमन साम्राज्य से अनुमति भी मांगी । टीपू सुल्तान ने हिंदू और मुस्लिम प्रजा के लिए दोनों समुदायों के न्यायाधीश नियुक्त किए। प्रत्येक प्रांत में मुसलमानों के लिए कादी और हिंदुओं के लिए पंडित नियुक्त किए गए । उच्च न्यायालयों की भी ऐसी ही व्यवस्था थी। टीपू सुल्तान के कोषाध्यक्ष कृष्ण राव थे, शमैया अयंगर उनके डाक और पुलिस मंत्री थे, उनके भाई रंगा अयंगर भी एक अधिकारी थे, और पूर्णैया "मीर आसफ़" के अत्यंत महत्वपूर्ण पद पर थे। मूलचंद और सुजान राय मुग़ल दरबार में उनके प्रमुख प्रतिनिधि थे, और उनके प्रमुख "पेशकार", सुबा राव भी एक हिंदू थे। 1791 में मराठा-मैसूर युद्ध के दौरान रघुनाथ राव पटवर्धन के नेतृत्व में मराठा घुड़सवारों के एक समूह ने श्रृंगेरी शंकराचार्य के मंदिर और मठ पर धावा बोल दिया । उन्होंने ब्राह्मणों सहित कई लोगों को घायल कर दिया और मार डाला, मठ की सारी मूल्यवान संपत्ति लूट ली, और देवी शारदा की मूर्ति को हटाकर मंदिर को अपवित्र कर दिया। उनके प्रशासन में शराब और वेश्यावृत्ति का उपयोग सख्त वर्जित था। केरल में बहुपति प्रथा पर टीपू सुल्तान ने प्रतिबंध लगा दिया था। उन्होंने सभी महिलाओं को अपने स्तन ढकने का आदेश दिया, जो कि पिछले काल में केरल में प्रचलित नहीं था।

आदर्श पड़ोसियों से ही बनेगा आदर्श समाज - मोहम्मद नाज़िमुद्दीन

-जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द राजस्थान का "आदर्श पड़ोस – आदर्श समाज" सिम्पोजियम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द की ओर से पूरे देश में 21 से 30 नवंबर तक चलाए जा रहे 'पड़ोसियों के अधिकार' अभियान के तहत शनिवार को जयपुर के ग्रांड इंडियाना रेस्टोरेंट में "आदर्श पड़ोस – आदर्श समाज" विषय पर सिम्पोजियम आयोजित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द, राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद नाज़िमुद्दीन ने की। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि आदर्श समाज का निर्माण तभी संभव है जब पड़ोसी एक-दूसरे से संवाद बनाए रखें, सहयोग करें और एक-दूसरे की समस्याओं को समझकर सुलझाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि आज के समय में लोगों के बीच दूरियां बढ़ रही हैं, इसलिए पड़ोसियों के अधिकारों की जानकारी और पालन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आदर्श पड़ोसियों से ही आदर्श समाज बनेगा। कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों और समुदायों से जुड़े धर्मगुरुओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं में फादर विजय पॉल, एलिजाबेथ, प्रवीण बड़े भैया, रमन यादव, अनिल यादव, संगीता राठी, वीरेंद्र रवाना, शब्बीर खान, अजय शर्मा, ए.बी. पॉल, सत्यनारायण सैनी, शौकत कुरैशी, नईम कुरैशी, वकार अहमद, हरदीप सिंह चहल और प्रसिद्ध गांधीवादी धर्मवीर कटेवा प्रमुख रहे। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता एवं पूर्व आयकर अधिकारी मीनाक्षी सेठी, नईम रब्बानी, शाहिद, सीमा राठी सहित कई अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। सभी वक्ताओं ने पड़ोसियों के बीच प्रेम, संवाद, और सहयोग को समाज निर्माण का आधार बताया। सिम्पोजियम के अंत में मोसूफ अहमद (को-कन्वीनर) ने 'पड़ोसियों के अधिकार प्रतिज्ञा पत्र' का वाचन किया, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने आदर्श पड़ोसी बनने और समाज में भाईचारा बढ़ाने की शपथ ली।प्रतिज्ञा के मुख्य बिंदु थे —हम सब पड़ोसियों के अधिकारों को समझने और उनके अनुरूप आचरण करने का प्रयास करेंगे।स्वयं आदर्श पड़ोसी बनकर दूसरों को प्रेरित करेंगे।बिना किसी भेदभाव के पड़ोसियों का सम्मान और सहयोग करेंगे।हमारी ओर से किसी भी पड़ोसी को तकलीफ न पहुंचे, इसका ध्यान रखेंगे।समाज में नफरत नहीं, बल्कि भाईचारा, सहानुभूति और पारस्परिक समझ विकसित करेंगे।कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सौहार्द, सहयोग और मानवीय रिश्तों को मजबूत बनाना बताया गया ताकि एक आदर्श पड़ोस के माध्यम से आदर्श समाज की स्थापना की जा सके।

तेंदुआ काबू में! जयपुर ने ली राहत की सांस

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में लगातार दहशत फैलाने वाला तेंदुआ आखिरकार काबू में कर लिए गया शहरभर में मूवमेंट करने वाला यह लेपर्ड देर रात चांदपोल स्थित खेतड़ी हाउस में पकड़ा गया। वन विभाग ने रात्रि सर्च ऑपरेशन के दौरान तेंदुए को ट्रेंकुलाइज़र कर सुरक्षित रेस्क्यू किया। लोगों ने राहत की सांस ली। चांदपोल के खेतड़ी हाउस परिसर में दिखा। सूचना मिलते ही वन विभाग, पुलिस और सिविल डिफेंस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंची। घंटों की तलाश और घेराबंदी के बाद विशेषज्ञ टीम ने सही मौका देखकर तेंदुए पर ट्रेंकुलाइज़र डार्ट दागा। कुछ ही मिनटों में तेंदुआ बेहोश होकर गिर पड़ा। इसके बाद पिंजरे में डालकर सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान इलाके में स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। लोग घरों की छतों पर, गलियों में और घरों के बाहर जमा होकर लाइव नज़ारा देखने लगे। कई लोग मोबाइल में वीडियो बनाते दिखे। पूरे इलाके में तनाव और रोमांच का माहौल बना रहा। टीम ने तेंदुए को क्रेट में रखकर वन विभाग की गाड़ी में शिफ्ट किया। अधिकारियों का कहना है— "तेंदुआ पूरी तरह सुरक्षित है, जंगल में शिफ्ट करने की तैयारी है।"

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के तीन ईआरओ को सम्मानित किया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने गुरुवार को जिले के तीन निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों को सम्मानित किया। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शाहपुरा निर्वाचक पदाधिकारी संजीव कुमार खेदर, दूदू निवार्चक पदाधिकारी रमेश कुमार एवं बस्सी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी डॉ. गरिमा सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बीएलओ से संवाद के दौरान उन्होंने न केवल उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की मुक्तकंठ से सराहना की, बल्कि यह भी कहा कि उनकी यह प्रतिबद्धता पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आग्रह किया कि वे अपने अनुभव, ऊर्जा और कार्यकुशलता से अन्य साथियों को प्रेरित कर उन्हें भी लक्ष्य प्राप्ति में मार्गदर्शन दें, ताकि पूरे जिले में पुनरीक्षण अभियान की गति और अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली रूप में आगे बढ़ सके उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि जयपुर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत परिगणना कार्य प्रगति पर है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी निरंतर कार्यक्रम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि 36 लाख 75 हजार 806 यानी 76.03 फीसदी से अधिक परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि बस्सी विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 18 हजार 372, शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 20 हजार 301, चौमूं विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 31 हजार 369, चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 10 हजार 421, दूदू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 31 हजार 63, फुलेरा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 26 हजार 32, आमेर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 57 हजार 487, जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 7 हजार 735, हवामहल विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 89 हजार 914 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही उन्होंने बताया कि किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 35 हजार 908, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 82 हजार 25, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 3 लाख 21 हजार 135, बगरू विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 50 हजार 343, सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 71 हजार 848, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख 44 हजार 732, सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 42 हजार 101 एवं विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 26 हजार 263 परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

16 साल से फरार टॉप- 10 सूचि में शामिल अपराधी गिरफ्तार

-आरोपी पर 25 हज़ार का ईनाम घोषित था
-गिरफ्तारी में सिपाही गिरधर सिंह का रहा विशेष योगदान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिस पर थानाधिकारी माणकचौक के नेतृत्व में गिरधर सिंह कानि. 8123 एवं चुनिन्दा कार्मिको की टीम गठित की गई थी। टीम के सदस्य गिरधर सिंह द्वारा लगातार आस सूचना संकलित कर वांछित अपराधियों पर निगरानी रखी जा रही थी। इसी क्रम में टीम के सदस्य गिरधर सिंह ने अपने व्यवसायिक कौशल का उपयोग करते हुये आसूचना संकलन कर तथा तकनीकी सहायता प्राप्त कर मुल्जिम रामप्रसाद डे पुत्र केतुल उर्फ बैतुल उर्फ तैतुल जाति कायस्थ उम्र 49 साल निवासी उदयचन्द्रपुरा पुलिस थाना नकासीपाडा जिला नदिया पश्चिम बंगाल को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

थाना हाजा पर दिनांक 26 फरवरी 2009 को परिवादी मुकेश कुमार सोनी ने रिपोर्ट दी थी कि मेरी फर्म पर अभियुक्त रामप्रसाद डे आया व अपने आप को डायमंड का व्यवसायी बताकर फर्म से माल लेकर दो-तीन में आकर रुपये देने की बात कहकर करीब 85 लाख रुपये के डायमंड लेकर फरार हो गया। आदि पर थाना हाजा पर मुकदमा नंबर 62/09 धारा 420,406 भा.द.स. में दर्ज होकर बाद अनुसंधान मुल्जिम के फरार होने पर धारा 299 सीआरपीसी में चालान पेश न्यायालय किया गया।

एसआईआर के संबंध में लीगल क्लिनिक का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर शहर में एसआईआर के फॉर्म को लेकर विभिन्न क्षेत्रों में आ रही समस्याओं व आमजनों के फॉर्म न भर पाने में असमर्थता को देखते हुए, उनकी सहायता के उद्देश्य से APCR राजस्थान द्वारा एक जन जागरूकता कार्यक्रम 'लीगल क्लिनिक' का आयोजन मुस्लिम मुसाफिर खाने, जयपुर में किया गया। एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स, राजस्थान चैप्टर के महासचिव मुज़म्मिल रिज़वी ने बताया कि इस कार्यक्रम में SIR फॉर्म कैसे भरें? 2002 की सूची में नाम जांचने की प्रक्रिया? BLO से संपर्क कैसे करें? आदि प्रश्नों से सम्बन्धित सहायता की गई । जिसमें जयपुर शहर के अलग-अलग इलाकों से 100 से अधिक लोगों ने अपनी समस्याओं को साझा किया व वहाँ मौजूद वकील व सामाजिक कार्यकर्ताओं की टीम ने उनकी मदद कर उनके ऑनलाइन व ऑफलाइन फॉर्म भरवाए। सुबह 11 बजे इस कैम्प में लोगों ने अपनी समस्याओं को लेकर आना शुरू किया व शाम 4 बजे इस कैम्प का समापन किया गया, उसके बाद इलाके के बी.एल.ओ. ने वहाँ आकर लोगों के फॉर्म जमा किये। इस कार्यक्रम में स्वयं महासचिव मुजम्मिल रिजवी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रुखसाना उस्मान, एडवोकेट सुमित उपाध्याय, प्रदेश समन्वयक मोहम्मद आबिद खान, रब्बे खान, जयपुर शहर के सचिव मोहम्मद अंसार, सदस्य इस्लाम कुरैशी, मोहम्मद सोहेल, मोहम्मद अजहर एवं एडवोकेट सरवर आलम मौजूद रहे। संगठन की ओर से शहर में इस तरह के कुछ और कैम्प आने वाले दिनों में आयोजित किये जायेंगे।

इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फ़ेयर 2025 में राजस्थान को गोल्ड मेडल - कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

-पार्टनर स्टेट के रूप में आगंतुकों की पहली पसंद बना राजस्थान मंडप, उत्पादों की रिकॉर्ड बिक्री से हस्तशिल्प उद्यमियों में उत्साह

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के संकल्प पर नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 44वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के समापन समारोह में राजस्थान मंडप को उसके उत्कृष्ट एवं नवोन्मेषी प्रदर्शन हेतु स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के मार्ग-दर्शन में बनाए गए राजस्थान पवेलियन को प्राप्त यह स्वर्ण पदक सम्पूर्ण राज्य के लिए गौरव का विषय है। इस उपलब्धि से राज्य के हस्तशिल्प, कला और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण व संवर्धन को नई गति मिलेगी तथा देश-विदेश के आगंतुकों तक राजस्थानी कला-संस्कृति की प्रभावी पहुँच सुनिश्चित होगी। कर्नल राज्येवर्धन राठौड़, उद्योग मंत्री द्वारा उद्योग एवं पर्यटन विभाग के साथ रीको, राजस्थली एम्पोरियम, बीआईपी, खादी, राजीविका एवं रूडा की संयुक्त सहभागिता सुनिश्चित की जिससे राजस्थान पवेलियन को समृद्ध, आकर्षक और अनुभव-केंद्रित स्वरूप प्रदान किया जा सका। "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की भावना पर आधारित इस बार राजस्थान और असम के सांस्कृतिक एकीकरण की पहल विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस पहल के माध्यम से दोनों राज्यों की कला, संस्कृति और व्यापारिक संभावनाओं का प्रभावी आदान-प्रदान हुआ, जिससे द्विपक्षीय व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संबंध और अधिक सुदृढ़ होने की संभावनाएँ बढ़ी हैं। इस प्रयास से राज्य के कारीगरों, शिल्पकारों, उद्यमियों और निवेशकों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्पादों और कौशल को प्रस्तुत करने के व्यापक अवसर प्राप्त हुए। राजस्थली एम्पोरियम द्वारा बनाई गई "वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट" वॉल पर राज्य के सभी 41 जिलों के उत्पादों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। प्रवासी राजस्थाकनी दिवस को होने वाले आयोजन में भी "वन डिस्ट्रि क्ट, वन प्रोडक्ट" के प्रभावी प्रदर्शन हेतु माननीय मुख्यकमंत्री महोदय जी के निर्देशों के तहत कार्यवाही की जा रही है, जिससे आगन्तुटक मेहमानों तथा जयपुरवासियों को भी ऐसे सुंदर प्रदर्शन को देखने का अवसर मिल सके।

उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले छः पुलिसकर्मियों को "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" के अवार्ड से सम्मानित किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने शुक्रवार को पुलिस आयुक्तालय पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छः पुलिसकर्मियों को "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" के अवार्ड से सम्मानित किया। सचिन मित्तल ने बताया कि पुलिस का ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास-अपराधियों में भय की भावना जनता में साकार हो इसके लिए जयपुर पुलिस लगातार प्रयासरत् है। उन्होंने बताया कि कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ पुरस्कार से पुलिसकर्मियों के मनोबल में बढ़ोतरी के साथ-साथ पुलिसकर्मी बेहतर व सराहनीय कार्य करने के प्रेरित होंगे। अक्टूबर माह 2025 का "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" पुरस्कार के लिए जिला पूर्व से चिन्हित सियाराम कानि० पुलिस थाना जवाहर नगर ने सांयकालीन गश्त के दौरान सड़क किनारे बेहोश पड़े अज्ञात व्यक्ति को तुरन्त ई-रिक्शा से अस्पताल पहुंचा कर उपचार दिलवाया जिससे व्यक्ति की जान बच सकी. कानि० ने उत्कृष्ट मानवता के लिए सराहनीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया। जिला पश्चिम के सरिता पुलिस थाना सिन्धीकैम्प ने साईबर काइम से संबंधी परिवादों का निस्तारण करवाकर गुमशुदा 14 मोबाईलों को ट्रेस कर पीड़ितों को लौटाने का सराहनीय कार्य किया। जिला उत्तर के महिपाल कानि० ने पुलिस थाना विद्याधर नगर के प्रकरण में अज्ञात मृतक की पहचान कर एवं वारिसान की तलाश कर उक्त वारदात को अंजाम देने वाले वाले आरोपियों का चिन्हित कर मुल्जिम नवीन कुमार डंगोरिया व अजय स्वामी को गिरफ्तार करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी तथा अन्य प्रकरण में अभियुक्त शाहिद कुरैशी उर्फ शानु को गिरफ्तार कर उसके कब्जे चोरी की 7 मोटरसाईकिलें बरामद करवायी। जिला दक्षिण के जगदीश कानि. ने पुलिस थाना, चाकसू के दो प्रकरणों में आरोपियों को दस्तयाब करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। मोहनलाल कानि० यातायात प्रशासन जयपुर ने इन्टरसेप्टर पर तैनात रहकर तेजगति व लापरवाही से वाहन चलाने वाले वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गयी एवं यातायात नियमों की पालना नहीं करने वाले वाहन चालकों के विरूद्व अधिक से अधिक कार्यवाही करवाया गया जो सहरानीय कार्य किया। जितेन्द्र कानि० अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, (चोरी एवं नकबजनी) पुलिस आयुक्तालय जयपुर, ने आयुक्तालय क्षेत्र में होने वाली चैन, पर्स, बैग स्नैचिंग, लूट, वाहन चोरी एवं सम्पति संबंधी अपराधों की घटनाओं की क्यूएसटी रिकॉर्ड संधारण करना व दर्ज होने वाले सम्पति संबंधी अपराधों के प्रकरणों को ऑनलाईन पोर्टल पर दर्ज करने एवं हॉट स्पॉट चिन्हित कर अपराधों की रोकथाम हेतु समस्त थानाधिकारी को निर्देशित करने हेतु पत्राचार करने का कार्य कड़ी मेहनत व लगन से किया है।

इंस्टाग्राम पर नोटों की रील बनाकर फसांते थे जाल में

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पुलिस की साउथ डीएसटी टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 'टटलू बाज गैंग' का पर्दाफाश किया है। यह गैंग लोगों को पैसा दोगुना करने का लालच देकर फंसाता था और फिर उनसे लूटपाट करता था। मामले का खुलासा डीसीपी साउथ राजर्षि राज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। इंस्टाग्राम पर नोटों की रील बनाकर फंसाते थे जाल में- पुलिस के मुताबिक, ये बदमाश सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम का इस्तेमाल हथियार के तौर पर करते थे। ये नोटों की गड्डियों के वीडियो और रील बनाकर पोस्ट करते थे और दावा करते थे कि वे पैसे को दोगुना कर सकते हैं। जब कोई व्यक्ति इनके झांसे में आ जाता था, तो उसे सुनसान जगह पर बुलाकर उसके साथ लूट की वारदात को अंजाम देते थे। 5 बदमाश गिरफ्तार, वाहन बरामद- साउथ डीएसटी टीम ने तकनीकी सहायता और मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए गैंग के 5 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल की गई एक गाड़ी और एक पावर बाइक भी बरामद की है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि अन्य वारदातों का भी खुलासा हो सके।

पेंशनर्स ने शहीद स्मारक पर एक दिवसीय धरना दिया

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान पेंशनर्स मंच जयपुर के बैनर तले एक दिवसीय धरना शहीद स्मारक गवर्नमेंट हॉस्टल पर 29 नवंबर 2025 को सरकार को उनकी मांगों के शीघ्र पूरी करने के लिए दिया गया । राजस्थान पेंशनर्स मंच के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष हाजी गुलाम रसूल मंसूरी ने अवगत कराया कि मंच को प्रदेश अध्यक्ष कैलाश क्रांतिकारी ने अपने भाषण में सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार पेंशनर्स के साथ 8 वें वेतन आयोग की सिफारिशों में भेदभावपूर्ण कार्यवाही की तो एक बड़ा आदोलन किया जाएगा । सभा को संबोधित करते हुए क्रांतिकारी प्रदेश अध्यक्ष सूरज प्रकाश टांक ने राजस्थान में RGHS योजना में हो रही परेशानी का निराकरण करने और लंबित मांगों के आदेश शीघ्र जारी करवाये जाने के लिए सरकार को चेतावनी देते हुए शीघ्र निराकरण की मांग की और एक ज्ञापन प्रस्तुत किया ।

नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफेयर सोसायटी की ओर से रामगंज थाना प्रभारी को सम्मानित किया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नेशनल मुस्लिम वीमेन वेलफेयर सोसायटी, जयपुर की संस्था प्रधान निशात हुसैन द्वारा बरोज सनिचर 28 नवंबर को रामगंज थाना प्रभारी सुभाष यादव को मोमेंटो व प्लांट देकर सम्मानित किया । यह सम्मान रामगंज एरिया को अतिक्रमण मुक्त व सफाई करवाने के लिए दिया गया । आप का यह काम सहरानीय है । इस अवसर पर संस्था प्रधान निशात हुसैन ने कहा कि हम लम्बे समय से रामगंज एरिया में अतिक्रमण देख रहे हैं और इस अतिक्रमण को कोई भी नहीं हटवा पाया था, आप के प्रयास से अतिक्रमण भी हटा और आप की मेहनत और लगन से ही यह सम्भव हो पाया है और दुर्घटनाओं से भी निजात मिली। इस अवसर पर संस्था की सदस्या जहांआरा ने संस्था का परिचय देते हुए संस्था के कार्य और उद्देश्य पर भी बात की। एरिया लीडर सुनिता, कृष्णा और साथी भी मौजूद रहे।

रंगरेज समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 81 जोड़ों का निकाह पढ़ाया गया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर का कर्बला मैदान एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना, जहाँ रंगरेज शेखावाटी समाज ने सामूहिक विवाह सम्मेलन के जरिए समाज में नई सोच और एकजुटता का संदेश दिया। इस भव्य आयोजन में एक मंच पर 81 जोड़ों का निकाह संपन्न कराया गया। सादगी और फिजूलखर्ची पर प्रहार- इस आयोजन ने समाज में शादियों में होने वाली फिजूलखर्ची को रोकने और सादगी अपनाने का बड़ा संदेश दिया। हजारों की तादाद में देश और प्रदेश के कोने-कोने से आए समाज के लोगों ने नवविवाहित जोड़ों को दुआओं से नवाजा। ऐतिहासिक रहा आयोजन- कर्बला मैदान में आयोजित इस समारोह में रंगरेज शेखावाटी समाज की अनोखी एकजुटता देखने को मिली। आयोजकों ने बताया कि इसका उद्देश्य समाज को एक जाजम पर लाना और गरीब व मध्यम वर्ग के परिवारों को राहत देना है। 81 जोड़ों ने अपनी नई जिंदगी की शुरुआत सादगी और बड़ों की दुआओं के साथ की।

अनियमितता के विरुद्ध मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जीरो टोलरेंस नीति

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनियमितताओं के विरुद्ध जीरो टोलरेंस नीति को सख्ती से लागू किया जा रहा है। इसी क्रम में तहसील सांगानेर के पालड़ी परसा गांव में पेटा तालाबी भूमि को बंजर अथवा बारानी भूमि के तौर पर किस्म परिवर्तन करने के प्रकरण को राज्य सरकार द्वारा बेहद गंभीर अनियमितता माना गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में प्रकरण में संलिप्त अधिकारियों एवं कार्मिकों के विरूद्ध त्वरित एवं सख्त कार्यवाही अमल में लाई गई है। प्रकरण में राजस्व मंडल ने सांगानेर तहसीलदार कार्तिकेय लाटा को त्वरित प्रभाव सें निलंबित कर दिया।

वहीं, उच्च स्तर से प्राप्त निर्देशों की अनुपालना में प्रकरण में जांच करवाई गई। जांच कमेटी के रिपोर्ट आधार पर कार्मिकों की पूरे प्रकरण में संलिप्तता पाए जाने पर पटवार हलका देवलिया की हाल पटवारी नयनसी वर्मा एवं पटवार हलका देवलिया के तत्कालीन पटवारी हाकिम सिंह गुर्जर को त्वरित प्रभाव निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी लापरवाही, गड़बड़ी या अनियमितता को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि प्रत्येक शिकायत का त्वरित संज्ञान लेते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, दोषी कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए, जिससे भविष्य में ऐसी गलतियों की पुनरावृत्ति न हो। राज्य सरकार की यह संवेदनशील एवं दृढ़ पहल सुशासन को मजबूत करने, जन-विश्वास बढ़ाने तथा प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट की एक्ज़ीक्यूटिव कमेटी की मीटिंग आयोजित

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट कोटा की एक मीटिंग रविवार 30 नवंबर 2025 को बाद नमाज़ ज़ोहर ट्रस्ट के चेयरमैन हाजी खलील अहमद कुरैशी के आवास ज़ोहराना मेंशन पर हाजी सय्यद मुमताज अली की सदारत में मुनक़्क़ीद की गई। इस मौक़े पर मौजूद ट्रस्ट के सरपरस्त डॉ० एन डी पठान, हाजी अख़्तर कुरैशी, हाजी सय्यद मुमताज़ अली का ट्रस्ट के चेयरमेन हाजी खलील अहमद कुरैशी ओर जनरल सेकेट्री हाजी हयात खान ने गुलपोशी कर इस्तकबाल किया। मीटिंग की शुरुआत तिलावते क़ुरआन से हुई। ट्रस्ट के वाईस चैयरमेन हाजी सलीम अब्बासी ने मीटिंग में मौजूद सभी मेंबरान का इस्तक़बाल करते हुए बताया कि जिन हज़रात ने जनरल बॉडी मिटिंग में बिल्डिंग खरीदने के लिए तआवुन का ऐलान किया था उन सब लोगों की तफसील बयान की गई। उन लोगों में से कितने लोगों की रक़म जमा हो चुकी है उसकी जानकारी दी गई। बाकी जिन लोगों का ताव्वुन अभी तक नहीं आया है उनसे जल्द अज़ जल्द पेमेंट जमा कराने की गुज़ारिश की गई। वक़्त की कमी को देखते हुए आए हुए तमाम लोगों को कलेक्शन करने की जिम्मेदारी दी गई। उसके लिए मिल्लत की जानिब से छपाई गई 50, 50 पेज की रसीद बुक मीटिंग में मौजूद लोगों को देकर कलेक्शन की जिम्मेदारी दी गई ओर जनवरी लास्ट तक इसको जमा करने की गुज़ारिश की गई। कोटा के बाहर से आए हुए जिम्मेदारों ने जिसमें झालावाड़ से शफीउल्लाह भाई, अल्तमश कादरी, असलम भाई, ओर झालावाड़ पाटन से हाज़ी मुमताज ने इस काम के लिए भरपूर तआउन का भरोसा दिलाया। बारां से तशरीफ़ लाए आबिद हुसैन अंसारी, सीसवाली से अब्दुल सलाम मास्टर ने भी ज्यादा से ज्यादा रकम इकट्ठा करने की बात कही। बूँदी से तशरीफ़ लाईं रज़िया खातून ने ट्रस्ट को बिल्डिंग के लिए 1 लाख रूपये देने का ऐलान किया साथ ही कलेक्शन के लिए एक डायरी हांसिल की। मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमेन हाजी खलील कुरैशी ने इस नैक काम के लिए सभी ट्रस्टीयों से जितना हो सके ताअव्वुन की अपील की। ट्रस्ट के सेकेट्री हाज़ी हयात खान ने तमाम हज़रात से वक़्त पर रक़म जमा करने की गुज़ारिश की। ट्रस्ट के केशीयर इमाम मंसूरी ने 2024-2025 का आमद व खर्च का तफसील वार ब्यौरा पैश किया। इस हिसाब को सलाह मशवरा करने के बाद इत्तेफाक राय से पास कर दिया गया। एम सी टी क्लिनिक मैनेजमेंट प्रभारी ज़ाकिर आसफी ने क्लिनिक में दी जा रही सेवाओं के बारे में बताया। जनरल बॉडी की मिटिंग के लिए 4 जनवरी 2026 का वक़्त तय किया गया। ट्रस्ट के वाईस चैयरमेन मुख़्तार हुसैन अन्सारी ने मशवरा दिया कि ट्रस्ट का राजस्थान ट्रस्ट एक्ट में, इंकम टेक्स के 12ए, 12बी, 80 जी में रजिस्ट्रेशन कराया जाना चाहिए जिससे कि ट्रस्ट को हासिल होने वाले डोनेशन पर टेक्स नहीं देना पड़े। इस प्रस्ताव को आमराय से पास करते हुए ट्रस्ट के खाज़िन इमाम हुसैन मंसूरी को इसकी ज़िम्मेदारी दी गई और जो भी खर्चा हो उसकी मंजूरी दी गई। रविवार को हुई बैठक में शामिल होने वालों में डॉक्टर आबिद खान, डॉक्टर रईस अहमद, मिर्जा नफीस बैग, निसार अहमद, इमरान अली, लईक अहमद, अब्दुल नासिर, डॉक्टर एन डी पठान, सलाम भाई सीसवाली, हाजी अनवर अली, हाफ़िज़ फ़िरोज़, असलम खान मुख्य रहे। कोटा ओर कोटा के बाहर से आए हुए तमाम मेहमानों का ट्रस्ट के वाईस चेयरमेन हाजी सलीम अब्बासी ने मिटिंग को कामयाब बनाने के लिए शुक्रीया अदा किया। आखिर में मीटिंग की सदारत कर रहे हाजी सय्यद मुमताज ने सभी मेंबरान का मीटिंग में शिरकत करने पर शुक्रीया अदा करते हुए हास्पिटल के लिए ज़्यादा से ज़्यादा रक़म जमा कराने के लिए कोशिश करने की अपील की। दुआ के साथ मीटिंग का इख्तेताम कर दिया गया।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के जन्मदिन कार्यक्रम पर शामिल हुए अमीन पठान

कोटा (रॉयल पत्रिका)। अलवर में आयोजित नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के जन्मदिन कार्यक्रम में रविवार 30 नवंबर 2025 को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (खेल प्रकोष्ठ) के प्रदेशाध्यक्ष अमीन पठान ने शामिल होकर उन्हें जन्मदिन की मुबारकबाद पेश की, ओर उनकी लंबी आयु बेहतर स्वास्थ्य के लिए दुआ की। इस अवसर पर अंता विधायक प्रमोद जैन भाया, फतेहपुर विधायक हाकम अली, आरिफ भाई (प्रधान), समाजसेवी अयुब खान कामां, पूर्व अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष मेहमूदा ख़ान, पूर्व यूथ कांग्रेस उपाध्यक्ष पंडित राजकुमार शर्मा, सरपंच कयामुद्दीन, सरपंच राजेश कुमार, समाजसेवी ज्ञानेंद्र सिंह सोगरवाल आदि मौजूद रहे।

बारां: देर रात तक वक्फ संपत्तियों का पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर रहे वक्फ चेयरमैन इरफान अंसारी

-अल्पसंख्यक मामलात विभाग से मिले कंप्यूटर अनुदेशकों के साथ लगातार कर रहे कार्य

बारां (रॉयल पत्रिका)। केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुसार बारां जिले की तमाम वक्फ जायदादों को "उम्मीद सेंट्रल पोर्टल" Umeed central portal पर रजिस्टर करने के लिए वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाकर कार्यालय वक्फ कमेटी बारां में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। वक्फ संपत्ति के कार्य अधिक होने ओर उम्मीद पोर्टल धीरे चलने की वजह से चेयरमैन इरफान अंसारी के आग्रह पर अल्पसंख्यक मामलात विभाग द्वारा कंप्यूटर अनुदेशक दिए गए हैं। जिला अल्पसंख्यक विभाग के सहयोग से कंप्यूटर अनुदेशक मंसूर अली, नाजिश अली, साबिर हुसैन अंसारी ओर आरिफ हुसैन द्वारा जिले की तमाम जायदादों को पोर्टल पर अपलोड करने का कार्य किया जा रहा है। चेयरमैन अंसारी के सहयोगी मोहम्मद अशरफ, शोएब अख्तर द्वारा कार्यशाला व अपलोडिंग का तमाम कार्य कंधे से कंधा मिलाकर कर रहे हे। जिले भर के लोग लगातार वक्फ कार्यालय पहुंच कर संपत्तियों की जानकारियां जुटा कर उम्मीद पोर्टल पर अपलोड करवा रहे हैं। चेयरमैन इरफान अंसारी, कंप्यूटर अनुदेशक मंसूर अली, साबिर हुसैन, नाजिश अली, आरिफ हुसैन सहित चेयरमैन अंसारी के करीबी सहयोगी दिन रात इस कार्य में जुटे हैं। शहर सहित जिले भर के लोग वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी की इस सजगता ओर मेहनत के लिए उनकी प्रशंसा कर रहे हैं। प्रेस प्रवक्ता शोएब अख्तर ने बताया कि वक्फ तरमीमी कानून 2025 के तहत पूरे मुल्क में वक्फ जायदादों को केंद्र सरकार के एक यूनीफाइड पोर्टल पर अपलोड किया जाना है जिसकी डेडलाइन 5 दिसम्बर 2025 रखी गई है। राजस्थान वक्फ बोर्ड के आदेशानुसार बारां जिले में भी 5 दिसम्बर से पहले तमाम जायदादों को ऑनलाइन किया जा रहा है।

प्रमोद कुमार ने नए थानाधिकारी के रूप में पदभार संभाला

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। भवानीमंडी थानाधिकारी रमेश मीणा का स्थानांतरण कर दिया गया है। उनके स्थान पर प्रमोद कुमार ने नए थानाधिकारी के रूप में पदभार संभाला है। जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बुडानिया द्वारा जारी थानाधिकारियों की सूची में रमेश मीणा को रायपुर थाने भेजा गया है। रमेश मीणा करीब दो वर्षों से भवानीमंडी थाने में तैनात थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने बाइक चोरी, फरार वारंटियों की गिरफ्तारी, मादक पदार्थ तस्करों पर कार्रवाई और जुए-सट्टे के खिलाफ अभियान सहित कई महत्वपूर्ण मामलों का खुलासा किया। उन्होंने भैंस चोरी के एक अनोखे मामले को भी सुलझाकर आरोपियों से भैंसें बरामद की थीं। उनके कार्यकुशलता से शहरवासी भी संतुष्ट थे। जिला मुख्यालय से स्थानांतरण सूची जारी होने के बाद, विभिन्न सामाजिक संगठनों ने रमेश मीणा का माला, श्रीफल और शॉल भेंट कर सम्मान किया। इसी दौरान, नए थानाधिकारी प्रमोद कुमार का भी गर्मजोशी से स्वागत किया गया। प्रमोद कुमार जयपुर ग्रामीण से भवानीमंडी आए हैं। पदभार संभालने के बाद उन्होंने बताया कि भवानीमंडी का भौगोलिक क्षेत्र काफी बड़ा है और यह मध्य प्रदेश से सटा हुआ है। इस क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी अधिक होती है, जिस पर अंकुश लगाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने आगे कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र और मालवा के करीब होने के कारण वाहन चोरियों की घटनाएं भी अधिक होती हैं, जिन पर लगाम लगाई जाएगी। थानाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी कोशिश रहेगी कि थाने के मामलों को थाने स्तर पर ही निपटाया जाए और उच्च अधिकारियों तक कम से कम मामले पहुंचें। शहरवासियों और आमजन के कार्यों को प्रमुखता दी जाएगी, जिससे अपराधियों में भय और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास कायम हो सके। इस अवसर पर शहरवासियों ने निवर्तमान और नए दोनों अधिकारियों का स्वागत किया।

पार्षद शरीफ रंगरेज के अथक प्रयासों से ओढ़पुरा में सड़क निर्माण कार्य शुरू

बारां (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद बारां के वार्ड नंबर 44 के पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज द्वारा लगातार प्रयास करके वार्ड की जर्जर हो चुकी ओढ़पुरा बस्ती स्थित इमली के पीछे वाली सड़क को नई बनवाकर कार्य पूर्ण करवाया है। पार्षद मोहम्मद शरीफ ने बताया कि स्थानीय निवासी कई सालों से इस सड़क के लिए मांग करते आ रहे थे लेकिन बार - बार बजट के अभाव में सड़क निर्माण कार्य नहीं हो पा रहा था। जिसके चलते लोगों को निकलने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। लगातार प्रयास करके नगर परिषद द्वारा इस सड़क को पूर्ण करवाया है। सड़क कार्य शुरू होने के पश्चात वार्ड वासियों ने पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज का साफा और माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पार्षद मोहम्मद शरीफ द्वारा वार्ड की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाता है साथ ही इनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास भी किए जाते हैं।

नाहरगढ़ जैविक उद्यान में रविवार को उमड़ा सैलानियों का सैलाब

- 2 हजार 316 सैलानियों ने किये शेर–बाघ के दीदार

- 460 पर्यटकों ने लायन और टाइगर सफारी का लिया रोमांचक अनुभव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर का नाहरगढ़ जैविक उद्यान रविवार को पर्यटकों की भारी भीड़ से गुलजार रहा। सुहावने मौसम, अवकाश के उत्साह और प्राकृतिक सुंदरता के आकर्षण ने बड़ी संख्या में लोगों को उद्यान की ओर खींचा। एसीएफ देवेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि रविवार को कुल 2 हजार 316 पर्यटकों ने उद्यान पहुंचकर यहां के समृद्ध वन्यजीव संसार और प्राकृतिक जैव विविधता का नजदीकी अवलोकन किया। इनमें से लायन सफारी और टाइगर सफारी दिनभर भीड़ का मुख्य केंद्र बनी रहीं। वहीं, कुल 460 सैलानियों ने इन दोनों सफारियों का प्रत्यक्ष अनुभव लेते हुए शेर और बाघ के शक्तिशाली, चंचल और रोमांचकारी व्यवहार को करीब से देखा। बाघों की गगनभेदी गर्जना, शेरों के शाही तेवर और उनकी विशिष्ट चाल-ढाल ने पर्यटकों को रोमांच से भर दिया, जिसमें कई आगंतुकों ने इस अनुभव को "जीवन का यादगार पल" बताया। नाहरगढ़ जैविक उद्यान इन दिनों न केवल जयपुरवासियों बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पर्यटकों का पसंदीदा गंतव्य बनकर उभरा है। इसका मुख्य कारण है वन विभाग द्वारा किया जा रहा सुरक्षित, सुव्यवस्थित और पर्यटक-हितैषी प्रबंधन। उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के निर्देशन में पर्यटकों की सुरक्षा, सफाई, टिकटिंग, मार्गदर्शन, भीड़ नियंत्रण और सफारी संचालन पर विशेष ध्यान दिया गया। रविवार को एसीएफ देवेंद्र सिंह राठौड़ और रेन्जर शुभम शर्मा ने दोनों सफारियों की सघन मॉनिटरिंग करते हुए संपूर्ण व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। रेन्ज अधिकारी शुभम शर्मा की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम द्वारा सफारी रूटों की नियमित निगरानी, वाहनों की समयबद्ध उपलब्धता, टिकटिंग काउंटरों पर पारदर्शी व तेज सेवा, पर्यटकों को दिशा-निर्देश, पगडंडियों व पाथवे की स्वच्छता तथा भीड़ प्रबंधन जैसी व्यवस्थाओं को प्रभावी रूप से लागू किया गया, जिससे पर्यटकों का अनुभव और अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और आनंददायक रहा। वन विभाग की सतत निगरानी और उत्कृष्ट प्रबंधन के चलते नाहरगढ़ जैविक उद्यान आज राजस्थान के प्रमुख वन्यजीव पर्यटन स्थलों में अग्रणी स्थान रखता है। यह स्थल न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण, प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा, पर्यावरण शिक्षा और जैव विविधता संरक्षण के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने का एक जीवंत केंद्र भी बन चुका है। उद्यान का प्राकृतिक वातावरण, हरियाली और वन्यजीवों का सहज व्यवहार पर्यटकों को प्रकृति से जोड़ने का अनूठा अवसर प्रदान करता है, जो उनके लिए अविस्मरणीय अनुभव बनकर उभरता है।

पार्षद मोहम्मद असलम के सहयोग से डाकघर द्वारा सुकन्या योजना

-आधार अपडेट सहित विभिन्न कार्यों के शिविर आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद बारां के वार्ड नंबर 50 के पार्षद मोहम्मद असलम (कालू) के सहयोग से बच्चों के नए आधार, आधार कार्ड अपडेट, सुकन्या योजना सहित अन्य योजनाओं के खाते खुलवाने के उद्देश्य से दरगाह बाबा फूल पीर साहब स्थित जमात खाने में एक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर करनाहेडा बीओ मोहम्मद शफीक अंसारी द्वारा बारां जिला मुख्यालय डाक विभाग के सहायक अधीक्षक सतीश मीणा के आदेशानुसार आयोजित किया गया। इस शिविर में छोटे बच्चों के आधार कार्ड बनाए गए, तथा पुराने आधार कार्ड अपडेट किए गए। बच्चियों के सुकन्या योजना के खाते खोले गए। ओर तमाम जानकारियां प्रदान की गई। शिविर में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे जिनको योजना की जानकारी दी गई तथा मौके पर ही उनके कार्य किए गए। शिविर में सुकन्या योजना के 35 खाते खोले गए, पीपीएफ के 07 खाते खोले ओर ओर नए आधार के लिए 44 इनरोलमेंट जारी किए गए। इस दौरान पार्षद मोहम्मद असलम द्वारा सभी कर्मचारियों का माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया गया। अपनी बेहतरीन सेवाएं ओर सहयोग के लिए बारां जिला मुख्यालय डाक विभाग के सहायक अधीक्षक सतीश मीणा द्वारा पार्षद मोहम्मद असलम कालू को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। शिविर में राकेश मीणा, शंभुदयाल, भानु बना नारेड़ा, गोविंद, सुरेन्द्र नाटला, कौशल मोरवाल आदि ने सेवाएं दी।

विधायक प्रमोद जैन भाया ने किसानों की सिंचाई हेतु पानी तथा बिजली आपूर्ति को लेकर लिखे पत्र

-भाया ने की पर्याप्त मात्रा में नहरों में जल प्रवाह एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति की मांग

बारां (रॉयल पत्रिका)। किसानों को पर्याप्त मात्रा में सिंचाई हेतु चम्बल की दांयी नहर में जल प्रवाह बढाए जाने एवं दिन के समय 6 घण्टे निर्बाध रूप से थ्री फेंज बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया द्वारा पत्र लिखे गए है। कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया को क्षेत्र के कई किसान भाईयों द्वारा वर्तमान में रबी की फसलों में सिंचाई हेतु सीएडी की नहरों में पर्याप्त प्रवाह के साथ जल आपूर्ति किए जाने तथा दिन के समय निर्बाध रूप से 6 घण्टे थ्रीफेज बिजली की आपूर्ति करवाए जाने को लेकर अवगत करवाया गया है। विधायक भाया द्वारा किसानों की समस्याओं को देखते हुए ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, आयुक्त सीएडी कोटा, जिला कलक्टर बारां, अधीक्षण अभियन्ता सीएडी कोटा एवं जयपुर व़िद्युत वितरण निगम लिमिटेड बारां को पत्र लिखे गये। भाया ने अपने पत्र में अवगत करवाया कि इस साल भारी बरसात के कारण बारां जिले का किसान पहले ही बर्बाद हो चुका है तथा अभी वर्तमान में किसानों को अपनी रबी फसल गेहूं, सरसों, धनिया, लहसुन की सिंचाई हेतु चम्बल की दांयी नहर से पर्याप्त मात्रा में पानी नही मिल पा रहा है, जिसके कारण किसानों में काफी आक्रोश व्याप्त है। वही सिंचाई के लिए थ्री फेज बिजली की दिन के समय निर्बाध रूप से आपूर्ति की जरूरत है लेकिन किसानों को अलग-अलग चरणों में रात्रि के समय बिजली की आपूर्ति की जा रही है। ठण्ड के समय रात के समय किसानों द्वारा खेत पर कार्य करने के दौरान कई किसानों की पूर्व में मौंते भी हो चुकी है। भाया ने किसानों को चम्बल की दांयी मुख्य नहर से पर्याप्त जल प्रवाह करवाए जाने तथा दिन के समय निर्बाध रूप से थ्रीफेज 6 घण्टे बिजली आपूर्ति करवाए जाने की सरकार, प्रशासन से मांग की है।

जिला प्रमुख की अध्यक्षता में जिला स्थापना समिति की बैठक सम्पन्न

-504 अध्यापकों के स्थायीकरण का किया अनुमोदन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया की अध्यक्षता में सोमवार 01 दिसंबर को जिला स्थापना समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद बारां, उपखण्ड अधिकारी बारां एवं जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक बारां उपस्थित रहे। बैठक में माननीय न्यायालय की अनुपालना में फौजदारी प्रकरण पर 2 ग्राम विकास अधिकारियों को रूके हुए वेतन भत्ते दिए जाने का निर्णय कर राहत प्रदान की गयी। जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक शिक्षा बारां से प्राप्त 504 अध्यापकों के स्थायीकरण का बैठक में अनुमोदन किया जाकर उनको राहत प्रदान की गई।

गीतांजली हॉस्पिटल की बड़ी उपलब्धि" "5 साल का अंधेरा, एक ऑपरेशन से मिली नई रोशनी

-5 साल से चल रहे 'शांत दौरे' का सफल ऑपरेशन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल ने न्यूरोलॉजी क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। सिरोही के 27 वर्षीय पीड़ित पिछले पांच वर्षों से "शांत दौरे" (Silent Seizures) की समस्या से जूझ रहे थे। बेहतर इलाज के लिए परिजन गीतांजली हॉस्पिटल पहुंचे जहां वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट एवं एपिलेप्टोलॉजिस्ट डॉ. अनीस जुक्कारवाला ने 3 Tesla MRI, वीडियो EEG और PET-CT जैसी उन्नत जांचें कराईं। जांच में पता चला कि दौरे का स्रोत दिमाग के लेफ्ट मीडियल टेम्पोरल रीजन में है। न्यूरोसाइकोलॉजिकल मूल्यांकन के बाद सर्जरी संभव मानी गई। गीतांजली की अनुभवी न्यूरोसर्जरी टीम ने सफलतापूर्वक एपिलेप्सी सर्जरी कर मरीज को पांच साल पुराने कष्ट से राहत दिलाई। MRI में स्पष्ट असामान्यता न होने के बावजूद उन्नत तकनीकों से सटीक स्थान पहचान कर उपचार करना अस्पताल की विशेषज्ञता का प्रमाण है। आपको बता दें कि हर महीने 2–3 बार आने वाले इन खामोश दौरों के दौरान पीड़ित कुछ मिनटों के लिए अचेत-से हो जाते थे, हाथ-पैर अनजाने में हिलते थे और कई बार गर्म वस्तुएं छू लेने व चलते समय बाधा न दिखने जैसी घटनाओं से खुद को चोट भी पहुंचा लेते थे। फिलहाल पीड़ित पूरी तरह स्वस्थ है।

वक्फ संपत्ति एवं एसआईआर को लेकर जागरूकता अभियान के तहत कैंप लगाया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित जामिया अरबिया दारुल उलूम जयपुर रोड पर एक कैंप रखा गया जिसमें वक्फ बोर्ड संरक्षण एवं एसआईआर से संबंधित जानकारियां दी गई। जैसा कि राजस्थान सरकार के आदेशानुसार उम्मीद पोर्टल पर जाकर वक्फ संपत्तियों के बारे में जागरूक किया गया। और एसआईआर के लिए सरकार द्वारा लगाए गए बिएलओ को सहयोग करें। जैसा की 2 दिन पहले इंटेलेक्चुअल मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी द्वारा मीटिंग में कहा गया था की वक्फ संरक्षण अधिनियम के तहत वक्फ संपत्तियों को रजिस्ट्रेशन कराया जाए और 2003 के बाद हो रही नई एसआईआर को दुरुस्त करावे एवं बिएलओ को सहयोग करें। इसी के तहत आज यह कैंप दारुल उलूम द्वारा लगाकर सभी को जागरूक किया गया। कैंप के संयोजक हाजी याकूब थीम ने बताया की चूरू तहसील की सभी मस्जिद मदरसो के जिम्मेदारानों को सूचित किया गया था। सैकड़ो की संख्या में लोगों ने भाग लिया और अभियान को सफल बनाया। कार्यक्रम में शहर इमाम पीर सैयद मोहम्मद अनवार नदीमुल कादरी का मदरसे द्वारा साफा बांधकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में हाजी याकूब थीम, मुफ्ती इरशाद कासमी, रिटायर्ड एडिशनल एसपी अयूब खान, डॉक्टर मुस्तकीम शेख, रिटायर्ड प्रिंसिपल राशिद खान मोयल, हाजी हनीफ खान, हाजी यूनुस खान, पुर्व पार्षद इस्माइल बाबू, आवेश कुरैशी, महबूब खान, फारूक मास्टर आदि ने अभियान मैं सहयोग किया एवं वक्ताओं ने वक्फ संपत्तियों का डिजिटलीकरण और ऑनलाइन पंजीकरण कराने के फायदे बताए। यह पोर्टल जिसका पूरा नाम एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास (Unified Waqf Management, Empowerment, Efficiency and Development) है, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की एक पहल है। इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य वक्फ संपत्तियों की पारदर्शिता, बेहतर प्रबंधन और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जागरूकता अभियानः लोगों को वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर पंजीकृत कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है, खासकर उन जगहों पर जहां अभी तक पंजीकरण नहीं हुआ है। पंजीकरण के लाभः पंजीकरण से वक्फ संपत्तियों की पहचान, स्थिति, उपयोग और आय-व्यय का ऑनलाइन ट्रैक रखा जा सकेगा, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि कई राज्यों में 5 दिसंबर 2025 है। जागरूकता कार्यक्रम के बाद शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीम उल कादरी ने दुआ की और हाजी याकूब थीम ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के पुत्र के विवाह में की शिरकत

-वर वधू को दिया आशीर्वाद

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को पाली पहुंचे जहां उनका अनेक जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने स्वागत व अगवानी की। मुख्यमंत्री उसके बाद राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के पुत्र श्रेयांश राठौड़ के विवाह समारोह में सम्मिलित होकर वर-वधु को शुभकमानाएं व आशीवार्द दिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सर्किट हाउस से रवाना होकर आयोजित विवाह सामारोह में पहुंचकर नवविवाहित वर-वधु को आशीर्वाद व भेंट देकर उज्जवल भविष्य की शुभकमनाएं दी। इस अवसर पर समारोह में सिक्किम राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, उप मुख्यमंत्री दिव्या कुमारी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, प्रभारी मंत्री झाबर सिंह, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री अविनाश गहलोत, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, वन मंत्री संजय शर्मा, राज्य मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजय रहाटकर एवं अनेक जनप्रतिनिधिगण तथा प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोग शामिल हुए। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने हैलीकॉप्टर से मनोरथ हैलीपेड पहुंचे जहां उनका स्वागत राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, जिला कलक्टर एलएनमंत्री, पुलिस अधीक्षक आदर्श सिंधु ने किया। हैलीपैड से रवाना होकर मुख्यमंत्री शर्मा सर्किट हाउस पहुंचे जहां उनकी अगवानी कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, अविनाश गहलोत, जिला प्रभारी मंत्री झाबरसिंह खर्रा, जनप्रतिनिधि सुनील भण्डारी, पूर्व सांसद पुष्प जैन, पूर्व सभापति महेन्द्र बोहरा, पीयूष शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह की जियारत की और दुआएं मांगी

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से जिला फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष शकील दुर्रानी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह, अजमेर शरीफ, जियारत के लिए पहुंचे वहां पर जियारत की और अफने साथियों को बताया की भारत में सबसे पवित्र इस्लामी तीर्थस्थलों में से एक है। यह सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (गरीब नवाज के नाम से भी जाने जाते हैं) जो 13 वीं शताब्दी में भारत में सूफीवाद के महान प्रचारक थे। दरगाह सभी धर्मों के लोगों के लिए खुली है और यह एकता और शांति का प्रतीक है। जियारत (तीर्थयात्रा) के दौरान, उनकी मजार पर फूल, चादर और इत्र चढ़ाकर सम्मान प्रकट करते हैं। यहां का माहौल बेहद शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक होता है। मुख्य आकर्षणों में निजाम गेट, बुलंद दरवाजा, और सुंदर संगमरमर का मकबरा शामिल हैं। वार्षिक उर्स उत्सव, उर्स आपकी की पुण्यतिथि पर आयोजित होता है, लाखों आगंतुकों को आकर्षित करता है। जियारत करने वालों का मानना है कि यहां मांगी गई दुआएं पूरी होती हैं, जिससे यह स्थान दुनिया भर के मुसलमानों के लिए आस्था का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन जाता है। और दुआएं कबूल होती हैं। आपके साथ इलियास अजमेरी,शकील दुर्रानी,यूनुस खान झारिया, इदरीश छिंपा, रियाज अंसारी,मोहम्मद अली, आदि ने जियारत की और दुआ मांगी।

सांचौर नगर पालिका अधिशासी अधिकारी ने कोटेशन के नाम पर लाखों की बेंच खरीद कर ली

-पालिका अध्यक्ष ने जताई अनभिज्ञता

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । नगर पालिका में बेंच खरीद मामले को लेकर लोगों ने अनियमितता बरत ने का आरोप लगाया है नगर पालिका अधिशासी अधिकारी ने कोटेशन की प्रक्रिया की आड़ में मनमर्जी से खरीद कर ली जबकि ना तो संबंधित शाखा से अनुमति ली गई और ना ही नगर पालिका बोर्ड से प्रस्ताव पारित हुआ। जानकारी के अनुसार बेंच की खरीद सीधे कोटेशन के माध्यम से कर ली गई, क्योंकि विभागीय नियमों के तहत इस तरह के उच्च मूल वाले सामान की खरीद के लिए बोर्ड की स्वीकृति अनिवार्य होती है इसके बावजूद प्रशासन ने ना तो निविदा प्रक्रिया अपनाई और ना ही पारदर्शी खरीद नीति का पालन किया नगरपालिका अध्यक्ष नरेश सेठ ने इस पूरे मामले से सभी को अनभिज्ञ बताया अध्यक्ष ने बताया कि उनके बिना जानकारी के बेंच खरीदी गई है ना तो कोई प्रस्ताव उसके सामने रखा गया और ना ही बोर्ड के संज्ञान में लाया गया है उन्होंने कहा कि यदि अधिकारी ने कोटेशन का हवाला देकर बिना बोर्ड अनुमोदन के खरीद कर नियमों की खुली अवहेलना की है। नगर पालिका की संबंधित शाखा ने भी मामले में अनभिज्ञता जताई हैं। शाखा अधिकारियों का कहना है की बेंच खरीद की किसी फाइल प्रस्ताव या प्रक्रिया उसकी जानकारी में नहीं लाई गई है। बैच खरीद का मामला सामने आने के बाद नगर क्षेत्र में रोष की स्थिति है जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों का कहना है कि सार्वजनिक धन का प्रयोग मनमर्जी से नहीं किया जा सकता। यह नगर निधि जनता की संपत्ति है जिसका उपयोग नियमों और पारदर्शिता के साथ होना चाहिए अभी तक नगर पालिका प्रशासन की ओर से इस अनियमित खरीद पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया है। स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि मामले की उच्च स्तर जांच की जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो। सूत्रों की माने तो नगर पालिका में पिछले कुछ माह से विकास कार्य के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार एक धाधली हो रही है तो दूसरी और वार्ड में विकास कार्य कुछ नहीं सफाई से लेकर सड़क नालियां,बाबुल की झाड़ियां का जाल, सड़कों पर फैला गंदा पानी,लाइट का अभाव फेस वायर ना होने के चलते आम जनता को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है तो दूसरी और अंदर ही अंदर कोटेशन और टेंडर देने का खेल अपने चाहितो को बड़ा सवाल कब टेंडर जारी होते हैं कब सामग्री आती है और किसी को कानों कान तक नहीं लाखों के बिल पास होते हैं जिम्मेदार मोन आखिरी जनता विकास कार्य को लेकर अपना दुख किसे सुनाए वही अधिशासी अधिकारी लाइट पानी की एनओसी अनुमति के लिए रजिस्ट्री होने के बावजूद भी कई तरह के नियम कायदों का हवाला देकर चक्कर पर चक्कर कटवाते हैं नामकरण के नाम पर ऐसा पहली बार नगर पालिका में देखने को मिल रहा है जो जनता को लाइट पानी के लिए भी इतने कड़क नियम कायदे पार करने पड़ते हैं तो क्या ऐसे ही नियम कायदे कोटेशन और टेंडर में नहीं होते हैं आखिरी लाखों के फर्जी बिल तो निकल जाते हैं तो पानी और लाइट के लिए जनता को क्यों चक्कर काटना पड़ रहा है जनता परेशान कैसे सुनाएं अपना दुख जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो।

चूरू कांग्रेस कार्यालय में दिल्ली में होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ महा रैली को लेकर बैठक हुई

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर ब्लॉक कांग्रेस व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस पर कांग्रेस जनों की बैठक आल इंडिया कांग्रेस की ओर से 14 दिस्म्बर को दिल्ली में होने वाली वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली की तैयारियों ओर एस आई आर अभियान की समीक्षा के लिए हुई। बैठक में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफ़ीक मंडेलिया ने कहा कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान और प्रदेश कांग्रेस के निर्देशों अनुसार होने वाली महारैली में चूरू विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेसजन शहर ब्लॉक व देहात ब्लॉक कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि जायेंगे। मंडेलिया ने कहा एस आई आर प्रक्रिया में पार्टी के बी एल ए सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभाए और किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम नहीं कटे, चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार मतदाताओं जो फॉर्म अनकमलेंड बताए गए हैं उनको दुरुस्त करवाए। हम सबको मतदाताओं के वोट के अधिकार की रक्षा करनी होगी। इस अवसर पर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष असलम खोखर देहात अध्यक्ष किशोर धांधू,पूर्व सभापति गोविंद महानसरिया, मोहम्मद हुसैन निर्वाण, धर्मेन्द्र बुडानिया,पूर्व अध्यक्ष अबरार खान, नारायण बालान, विमल शर्मा, संजय भाटी, अज़ीज़ खान, सूर्य प्रकाश वर्मा, सुखाराम घिंटला, सोहनलाल मेघवाल, डॉ. प्यारेलाल दानोदिया,विश्वनाथ सेनी, जयचन्द मेघवाल,तारीख नागौरी, इस्माइल भाटी, आबिद जाबासरिया, आरिफ़ रिसालदार, नोमान सैय्यद, आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया।

गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर में दो दिवसीय पोस्ट ग्रेजुएट टीचिंग कोर्स का सफल आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर का ऑर्थोपेडिक्स विभाग एवं बॉम्बे ऑर्थोपेडिक सोसाइटी (BOS) के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय पोस्ट ग्रेजुएट टीचिंग कोर्स का सफल आयोजन गीतांजली हॉस्पिटल, उदयपुर में किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान के 72 पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों सहित देशभर से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गीतांजली ग्रुप के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने बताया कि पोस्टग्रेजुएट टीचिंग में इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर करते रहेंगे ताकि भावी पीढ़ी के चिकित्सक पूर्ण रूप से पारंगत हो आधुनिक तकनीकों का प्रयोग सीखकर भविष्य में ज़रूरत पड़ने पर रोगियों को उन्नत उपचार दे सके। गीतांजली हॉस्पिटल के वरिष्ठ ओर्थपेडीक सर्जन डॉ. हरप्रीत सिंह व डॉ. रामावतार सैनी ने बताया कि ऑर्थोपेडिक्स से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं उपयोगी अकादमिक सत्र प्रस्तुत किए, जिनसे प्रतिभागियों को आधुनिक तकनीकों और नवीन चिकित्सीय विधियों की गहन जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी छात्रों के साथ विचार-विमर्श, केस डिस्कशन एवं इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया गया, जिससे उनकी क्लिनिकल समझ एवं व्यावहारिक ज्ञान में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई।

सांचौर रीको क्षेत्र की दुर्दशा बदहाल सड़कों और गंदगी ने बढ़ाई परेशानी

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। रिको उद्योगिक क्षेत्र की बदहाल सड़कों और चारों ओर फैली गंदगी उद्यमियों और आम नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बन गई है क्षेत्र में स्थित सड़कों की हालत इस हद तक जर्जर है की जगह-जगह बने गढ़ों में गंदा पानी भरा रहता है जिसके बीच से पैदल गुजरना भी मुश्किल हो गया है बारिश की बात तो हालात और बिगड़ जाते हैं जिससे न केवल यातायात बाधित होता है बल्कि दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है स्थानीय लोगों का कहना है की रिपोर्ट क्षेत्र में सफल व्यवस्था पूरी तरह ठप है जगह-जगह फैला कचरा खुले में पड़ा रहता है और उसे डंपिंग करने की बजाय यही जलाया जाता है इस दौरान उठने वाला धुआं और दुर्गंध आसपास के निवासियों व कामगारों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल रहे हैं औद्योगिक क्षेत्र के बावजूद बुनियादी व्यवस्थाओं की कमी से यहां आने वाले निवेशक भी निराशा है उद्यमियों ने कहा कि रीको का उद्देश्य उद्योगों को सुविधा देना और विकास को बढ़ावा देना था लेकिन मौजूदा हालात विकास की बाजाय अपेक्षा और व्यवस्थाओं का प्रतीक बनते जा रहे हैं लोगों ने बताया कि प्रशासन और रीको प्रबंधन की उदासीनता से क्षेत्र का स्वरूप कचरे के केंद्र में तब्दील होता जा रहा है व्यावसायियों ने मांग की है कि सड़कों के तत्काल मरमत,जल निकासी, व्यवस्था और कचरा प्रबंधन प्रणाली को दुरुस्त किया जाए ताकि क्षेत्र में उद्योगों का अनुकूल माहौल बनाया जा सके और आने वाले समय में स्वस्थ को लेकर होने वाली बीमारियों में छुटकारा मिले।

रक्त की कमी पर 'मुस्लिम रॉयल्स ग्रुप' का इमरजेंसी मिशन

-सर्वसमाज ने मिलकर 101 यूनिट रक्तदान कर पेश की मिसाल

भीलवाड़ा/बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। जिले के सबसे बड़े महात्मा गांधी चिकित्सालय में चल रही रक्त की भारी किल्लत को देखते हुए 'मुस्लिम रॉयल्स ग्रुप' ने मानवता की अनूठी मिसाल पेश की है। ग्रुप ने ब्लड बैंक के आग्रह पर तत्काल प्रभाव से एक आपातकालीन रक्तदान शिविर आयोजित किया, जिसमें 101 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ।

24 घंटे में किया आयोजन-

ग्रुप के चेयरमैन शाहबुद्दीन शेख और वाइस चेयरमैन मोहम्मद अली मंसूरी ने बताया कि महात्मा गांधी हॉस्पिटल के ब्लड बैंक द्वारा सूचित किया गया था कि अस्पताल में मरीजों के लिए रक्त की भारी कमी हो गई है। सूचना मिलते ही ग्रुप ने तुरंत निर्णय लिया और महज एक दिन के भीतर ही ब्लड बैंक परिसर में यह इमरजेंसी कैंप आयोजित कर दिया।

सांप्रदायिक सौहार्द का संदेश-

इस शिविर की सबसे खास बात यह रही कि इसमें सभी धर्म और समाज के युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रक्तदान कर इंसानियत का संदेश दिया। ग्रुप के संरक्षक हमीद रंगरेज और नफीस मुल्तानी ने बताया कि युवाओं में रक्तदान को लेकर जबरदस्त जोश और जज्बा देखने को मिला।

ये रहे मौजूद-

शिविर को सफल बनाने में हाजी मोहम्मद उमर डायर, हाजी अकरम छिपा, अली शेख, रिजवान बागवान, अजहरुद्दीन शेख, हाजी मुजीबुर्रहमान डायर, सैय्यद कंवर अली, हाजी असलम सिलावट, हाजी रजा छिपा, हाजी निजाम शेख, मोहम्मद आसिफ मेवाफरोश, कय्यूम मोहम्मद सक्का, मोहम्मद यासीन घोसी, जावेद काजी, रफीक पठान, मोहसिन मंसूरी, शाहिद देशवाली, वसीम अंसारी और उमर नागौरी सहित कई सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

रिजर्व पुलिस लाइन में डोडा पोस्ट, गांजा ,हेरोइन,स्मैक को काफी मात्रा में जलाकर जमीन में दबाकर नष्ट किया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जय यादव आईपीएस पुलिस अधीक्षक चूरू अध्यक्ष औषधि व्ययन समिति एवं सदस्य सुनिल कुमार आर.पी.एस. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू (मुख्यालय), अपराध सहायक सदस्य, औषधि व्ययन समिति द्वारा स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) 1985 की धारा 52 (क) के अन्तर्गत वित मंत्रालय (राजस्व विभाग), भारत सरकार, नई दिल्ली की अधिसूचना दिनांक 16 जनवरी 2015 (भारत का राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 16.01.15) के पैरा संख्या 05 के अन्तर्गत प्रदत्त भाक्तियों का प्रयोग करते हुए रिजर्व पुलिस लाईन परिसर चूरू जिला चूरू में पुलिस थाना दूधवाखारा 05, राजगढ 08, सिद्धमुख 03, सदर चूरू 02, तारानगर 02, सुजानगढ 04, सालासर 01, कोतवाली चूरू 02, भानीपुरा 02, रतनगढ 09, भालेरी 01 एवं सरदारशहर के 03 प्रकरण सहित कुल 42 एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणो में करीब 55 क्विटल 63 किलोग्राम डोडा पोस्त, 07 किलोग्राम गांजा, 0.036 ग्राम हेरोईन एवं 0.037 ग्राम स्मैक का कमेटी द्वारा जलाकर एवं जमीन में दबाकर निस्तारण/नष्टीकरण किया गया।

अकीदतमंदों ने फूल पेश कर हर्षोल्लाह से मनाया हजरत इश्क अली शाह का उर्स

-महफिल-ए-समा में कव्वालियों ने सूफियाना कलाम पेश किया कूल की रस में अकीदतमंदों का हुजूम

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर बकरा मंडी स्थित दरगाह हजरत इश्क अली शाह रहमतुल्लाह अलैह का उर्स मुबारक कूल की अदायगी के साथ हुआ सम्पन्न। मूत्तवली राजू खान ने जानकारी देते हुए बताया कि हजरत इश्क अली शाह रहमतुल्लाह अलैह का तीन दिवसीय उर्स के दौरान कव्वाल मोइनुद्दीन मनचला, सलाम मनचला, विक्की मनचला, इकबाल मनचला, दिलशाद मनचला, इरफान तूफेल ओर शौकत अंन्दाज द्वारा सूफियाना कलाम पेश किए ओर कूल की रस्म अदायगी के साथ उर्स हुआ सम्पन्न। सचिव मोहम्मद सद्दीक ने उर्स में आए हुए जायरीनों का शुक्रिया अदा किया और कमेटी द्वारा समाजसेवीयो, कव्वालों ओर कार्यकर्ताओ की दस्तारबंदी की। कूल की रस्म के मौके पर मुत्तवली राजू खान, मोहम्मद सदीक सेक्रेटरी, मोहम्मद फारूक कोषाध्यक्ष, समाजसेवी साजिद खान जोधाणा, अकबर खान, सरपरस्त मोहम्मद साबिर, मोहम्मद हारून, मोहम्मद जावेद, आबिद हुसैन, समीर खान, अमजद खान, अनवर हुसैन, समीर सहित कई अकीदतमंद उपस्थित रहे।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने किया बाल-वाहिनियों का निरीक्षण

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भाटी, तथा शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि की उपस्थिति में पुलिस तथा परिवहन विभाग द्वारा बाल-वाहिनियों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई बाल वाहिनियों में फिटनेस सर्टिफिकेट की समय सीमा समाप्त होना पाया गया, पीछे की ओर सुरक्षा ग्रिल का अभाव पाया गया, प्राथमिक चिकित्सा पेटी, अग्निशामक यंत्र नहीं पाया गया, जीपीएस सिस्टम अक्रियाशील अवस्था में होना, विशेष बच्चों हेतु सुविधा के लिए रैंप/सुलभ प्रवेश का अभाव पाया गया, दस्तावेजों की अनुपलब्धता, बाल-वाहिनियों के वाहन पर चालक तथा सहायक का पहचान विवरण अंकित नहीं होना जैसी आदि कमियां पाई गई। जिनके विरूद्ध परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा मोटरवाहन अधिनियम अनुसार विधिक कार्यवाही की गई।

साथ ही सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शिक्षा विभाग तथा परिवहन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए एवं आगामी निरीक्षण तक विभिन्न कमियों को दूर करने हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण परिवहन अधिकारी विजय कुमार मीणा, उपाधीक्षक पुलिस मदन सिंह, एसीबीओ देवेन्द्र डाबी, आरटीओ निरीक्षक दलपत खिंची, यातायात पुलिस निरीक्षक तेजाराम, हुकमसिंह, प्रदीप अमरावत आदि मौजूद रहें।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

'अखंडा 2' की रिलीज से पहले नंदमुरी बालकृष्ण की फैंस से गुजारिश

प्लीज ऐसा ना करें! पहले हुआ था मामला दर्ज

नंदमुरी बालकृष्ण ने हैदराबाद में अपने फैंस से एक गुजारिश की है। उन्होंने कहा है कि थिएटर्स के बाहर जानवरों की बलि ना दें। मालूम हो कि इससे पहले उनकी फिल्म 'डाकू महाराज' की रिलीज के दौरान फैंस ने पशु बलि दी थी, जिसके बाद मामला दर्ज हुआ था। साउथ के फेमस एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण इन दिनों अपनी फिल्म 'अखंडा 2' की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज से हैदराबाद में जश्न हुआ। इस दौरान एक्टर ने फैंस को एक मैसेज दिया, जिसका सिनेमा और जिम्मेदारी से गहरा नाता था। एक्टर और विधाक ने अपने समर्थकों से थिएटर्स के बाहर पशु बलि ना देने की गुजारिश की। ये एक ऐसी प्रथा है, जिसके कारण हाल ही में उनके फैंस के एक ग्रुप को कानूनी परेशानी का सामना करना पड़ा था। नंदमुरी बालकृष्ण ने कहा, 'मुझे आपसे कुछ कहना है। हर क्षेत्र की अपनी परंपरा होती है। आप में से कुछ लोग फिल्म रिलीज के दौरान बकरों का सिर काटते हैं। कृपया ऐसा न करें।' बता दें कि 'अखंडा 2' अगले महीने 5 दिसंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है।

धर्मेंद्र का निधन पूरे देश के लिए एक बड़ा झटका है: सलमान खान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके निधन से पूरे देश को झटका लगा है। अभिनेता धर्मेंद्र का सोमवार को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। सलमान खान ने अपने रियलिटी शो बिग बॉस 19 के एक एपिसोड के दौरान दिवंगत अभिनेता का जिक्र किया। उन्होंने कहा, देश को एक बहुत ही बड़ा झटका लगा है, प्रशंसकों को एक बहुत ही बड़ा झटका लगा है। इंडस्ट्री को एक बहुत बड़ा सदमा पहुंचा है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है आप समझ रहे होंगे कि मैं किसके बारे में बात कर रहा हूं। खैर, ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। काशउ मुझे इस हफ्ते का वीकेंड का वार नहीं करना पड़ता, लेकिन जिंदगी चलती रहती है। सलमान खान बृहस्पतिवार को आयोजित प्रार्थना सभा में भी मौजूद थे। देओल परिवार ने यह श्रद्धांजलि सभा सेलिब्रेशन ऑफ लाइफ शीर्षक से उपनगरीय बांद्रा स्थित ताज लैंड्स एंड होटल में आयोजित की थी।

तेरे इश्क में 2025 की सबसे ज्यादा कमाई वाली 50 फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ चुकी

धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क में' ने बॉक्स ऑफिस पर बवाल काट रखा है। 28 नवंबर को फिल्म रिलीज हुई और उस दिन से बॉक्स ऑफिस पर पहले से मौजूद फिल्मों और साथ में रिलीज हुई फिल्मों (गुस्ताख इश्क और जूटोपिया 2) को मीलों पीछे छोड़ते हुए आगे निकल गई। आज फिल्म का तीसरा दिन है और फिल्म की शुरुआती कमाई से जुड़े जो आंकड़े सामने आए हैं उन्हें देखकर लग रहा है कि फिल्म पिछले दोनों दिनों की कमाई से ज्यादा आज कमा लेगी। फिल्म ने ओपनिंग डे पर 16 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन किया और इस साल की टॉप 10 ओपनिंग वाली फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई. दूसरे दिन का कलेक्शन बढ़कर 17 करोड़ हो गया। वहीं आज यानी तीसरे दिन 4:05 बजे तक 'तेरे इश्क में' ने 8.73 करोड़ कमाते हुए टोटल 41.74 करोड़ का बिजनेस कर लिया है। सैक्निल्क पर उपलब्ध आज का डेटा अभी फाइनल नहीं है। आनंद एल राय के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को फिल्मीबीट के मुताबिक 85 करोड़ के बजट में तैयार किया गया है। सैक्निल्क के मुताबिक इसकी वर्ल्डवाइड कमाई एक दिन में 22 करोड़ रुपये हो चुकी है।

शत्रुघ्न सिन्हा दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुए

दिग्गज अभिनेता एवं सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने दिवंगत बॉलीवुड स्टार धर्मेंद्र को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट लिखा।शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने पोस्ट में धर्मेंद्र को एक शानदार व्यक्ति बताया है। धर्मेंद्र का गत सोमवार को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। धर्मेंद्र ने 65 साल के अपने करियर में सत्यकाम से लेकर शोले तक 300 फिल्मों में काम किया और खुद को सिनेमा की दुनिया में स्थापित किया। शत्रुघ्न सिन्हा ने धर्मेंद्र के साथ ब्लैकमेल (1973), दोस्त (1974), जलजला (1988) जैसी कई फिल्मों में काम किया। सिन्हा ने शनिवार को अपने एक्स हैंडल पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह दिवंगत अभिनेता और उनके बेटों सनी देओल और बॉबी देओल के साथ नजर आ रहे हैं। सिन्हा ने कहा कि वह हाल ही में धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि देने उनके घर गए थे, जहां उन्होंने परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। सिन्हा ने तस्वीरों के साथ अपने पोस्ट में लिखा, दिल्ली से लौटते समय, बहुत भारी दुःखी मन से अपने सबसे प्रिय पारिवारिक मित्र, हमारे बड़े भाई धर्मेंद्र के घर गया। उनके अद्भुत बेटों सन्नी देओल और बॉबी देओल के अलावा परिवार के अन्य सदस्यों से मिलना दिल को छू लेने वाला अनुभव था।

साजिद खान की फिल्म में काम करेंगे अक्षय कुमार

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार निर्देशक साजिद खान की फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। अक्षय कुमार इन दिनों 'भूत बंगला', 'हैवान' और 'वेलकम टू द जंगल' में काम कर रहे हैं। इन सबके साथ ही अक्षय एक और फिल्म में काम शुरू करने वाले हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि अक्षय कुमार, साजिद खान की फिल्म में काम करने वाले हैं। अक्षय कुमार ने इससे पूर्व साजिद खान की फिल्म हाउसफुल, हाससफुल 2 और हे बेबी में काम किया है।ऐसा कहा जा रहा है कि इस फिल्म के जरिए साजिद खान की मेनस्ट्रीम फिल्ममेकिंग में वापसी हो रही है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस करेंगी। इस फिल्म का काम 2026 जुलाई से शुरू करने की प्लानिंग बनायी की जा रही है।कहा जा रहा है कि 2027 तक फिल्म को रिलीज कर दिया जाएगा।

छप गए थे कार्ड, मगर नहीं हो पाई शादी

14 साल चला दूसरा रिश्ता, अब तन्हा गुजार रही जिंदगी

बॉलीवुड एक्ट्रेस और पूर्व मॉडल संगीता बिजलानी सिर्फ अपनी खूबसूरती, स्टाइल और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए ही नहीं जानी जातीं, बल्कि अपने रिश्तों को लेकर भी हमेशा सुर्खियां बटोरी हैं. 1980 और 90 के दशक में इंडस्ट्री की सबसे ग्लैमरस हस्तियों में शुमार संगीता की निजी जिंदगी ने कई उतार-चढ़ाव देखे, जिन्होंने उन्हें और भी मजबूत और आत्मनिर्भर बनाया। संगीता बिजलानी का सबसे चर्चित रिश्ता सुपरस्टार सलमान खान के साथ रहा. दोनों की मुलाकात 80 के दशक के अंत में हुई थी और देखते ही देखते दोनों इंडस्ट्री के सबसे चर्चित कपल में शामिल हो गए। दोनों की शादी तक की तैयारियां शुरू हो गई थीं. उनकी शादी के कार्ड तक छप गए थे, लेकिन किसी वजह से यह रिश्ता शादी तक नहीं पहुंच पाया। सलमान ने अपने एक टीवी इंटरव्यू में यह स्वीकार किया था कि शादी की सारी तैयारियां हो गई थीं, लेकिन होने से रह गई. इस ईमानदारी और दोस्ती ने दोनों के रिश्ते को एक परिपक्व मोड़ दिया। सलमान से रिश्ता टूटने के बाद संगीता की जिंदगी में पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन की एंट्री हुई 14 साल चला रिश्ता, 2010 में तलाक के बाद अब वह तन्हा जिन्दगी गुजार रही हैं।

रजनीकांत से मिलकर क्या बोले रणवीर सिंह

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह ने दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत को महान शख्सियत बताते हुए कहा कि वह इतने बड़े नहीं हैं कि उनके जैसे महान शख्सियत के बारे में कुछ कह सकें। रजनीकांत को फिल्म इंडस्ट्री में 50 वर्ष पूरे करने पर 56वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) में सम्मानित किया गया। इस दौरान रणवीर सिंह, रजनीकांत से मिले। यह सिर्फ एक मुलाकात नहीं थी, बल्कि यह परंपरा, आकर्षण और एक ही जगह खड़ी दो बड़े क्रिएटिव ताकतों का जश्न था। जब रणवीर स्टेज पर आए और रजनीकांत को नमस्कार किया, तो उन्होंने कहा कि मैं इतना बड़ा नहीं हूं कि इतनी महान शख्सियत के बारे में कुछ कह सकूं। रणवीर सिंह ने फिर एक बार सबका दिल जीत लिया। रजनीकांत और रणवीर जब दोनों ने मंच पर एक-दूसरे का अभिवादन किया, तो माहौल अचानक बदल गया: फैन्स खुशी से झूम उठे, कैमरे लगातार चमकने लगे और यह पल फिल्म इतिहास में दर्ज होने जैसा बन गया।उनकी बातचीत सिर्फ स्टार पावर नहीं दिखा रही थी। यह दो फिल्मी दुनिया के मिलकर आने जैसा था, जैसे रणवीर की अच्छी एक्टिंग और रजनीकांत की सादगी भरी, लेकिन बेहद असरदार पहचान का मिलना।

मुझे सच में नहीं पता था वो कौन हैं' फाल्गुनी पाठक से अनजान हैं ओरी होने लगे ट्रोल तो तोड़ी चुप्पी

ओरी बॉलीवुड पार्टिज की जान माने जाते हैं. वो लगभग हर बॉलीवुड सितारे की पार्टी में ग्लैमर का तड़का लगाते नजर आते हैं. स्टार्स के चहीते और नेपोकिड्स के फेवरेट ओरी इन दिनों विवादों में हैं. वो 'द ओजी' 'गरबा क्वीन' फाल्गुनी पाठक को नहीं जानते हैं जिसकी वजह से इन दिनों उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है.

ओजी ने इस विवाद पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि वो सच में गरबा क्वीन फाल्गुनी पाठक को नहीं जानते थे सोशल मीडिया पर्सनैलिटी ओरहान अवत्रमणि, जिन्हें ओरी के नाम से जाना जाता है इन दिनों अपने व्लॉग्स में नजर आ रहे हैं. उन्होंने अपने पॉपुलर व्लॉग सीरीज 'बॉलीवुड बीएफएफ्स' का तीसरा एपिसोड रिलीज किया है. इस बार उन्होंने आमिर खान की बेटी इरा खान और उनके पति नूपुर शिखरे के साथ एक दिन बिताया. इस दौरान दर्शकों से खुलकर बातचीत करते हुए ओरी ने मजेदार किस्से भी शेयर किए इस व्लॉग का सबसे वायरल मोमेंट तब आया जब ओरी ने हाल ही में गरबा क्वीन फाल्गुनी पाठक को न पहचानने पर हुई ट्रोलिंग पर बात की। उन्होंने साफ किया कि ये पूरी तरह से एक गलती थी. सोशल मीडिया सेंसेशन ओरी कहते हैं कि वो सच में फाल्गुनी पाठक को नहीं जानते थे. ओरी बताते हैं, 'मैंने एक फेमस फाल्गुनी को दूसरी फाल्गुनी समझ लिया। सच में मुझे नहीं पता था कि फाल्गुनी पाठक कौन हैं। लेकिन मुझे याद है जब मैं फराह खान के लिए शूट कर रहा था, तब दिलीप को नहीं पता था कि मैं कौन हूं. लेकिन मैंने इस पर कोई हंगामा नहीं किया. मैंने इसे सहजता से लिया।'

(साभार एजेंसी)

एचपीसीए ने मंडी की लेडी कांस्टेबल नेहा सैनी को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

देहरादून (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश पुलिस की महिला कांस्टेबल नेहा सैनी ने एक बार फिर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। एसपी ऑफिस मंडी में तैनात नेहा सैनी को हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) की महिला अंडर-19 टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया है। मंडी (रजनीश)= हिमाचल प्रदेश पुलिस की महिला कांस्टेबल नेहा सैनी ने एक बार फिर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। एसपी ऑफिस मंडी में तैनात नेहा सैनी को हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) की महिला अंडर-19 टीम का मैनेजर नियुक्त किया गया है। नेहा सैनी 30 नवम्बर से 22 दिसम्बर तक देहरादून और लखनऊ में आयोजित होने वाले बीसीसीआई महिला अंडर-19 नैशनल वन डे मैचों में टीम का नेतृत्व करेंगी।

सुंदरनगर की रहने वाली नेहा सैनी का क्रिकेट से नाता काफी पुराना है। उन्होंने बताया कि जब वर्ष 2006 में हिमाचल में महिला क्रिकेट की शुरूआत हुई थी, तब उन्होंने खेलना शुरू किया था। वह 2006 से 2011 तक एक सक्रिय खिलाड़ी के रूप में मैदान पर डटी रहीं। खेल के प्रति उनके समर्पण के साथ-साथ उन्होंने देश सेवा को भी चुना और 2010 में पुलिस विभाग ज्वाइन किया। हालांकि, खाकी वर्दी पहनने के बाद भी उनका क्रिकेट प्रेम कम नहीं हुआ। क्रिकेट के मैदान पर अपने अनुभव का लाभ अब वे नई पीढ़ी को दे रही हैं। नेहा 2023 से लगातार एचपीसीए की महिला अंडर-19 और अंडर-23 टीमों के साथ बतौर मैनेजर जुडी हुई हैं। वहीं अब एक बार फिर उन्हें हिमाचल महिला क्रिकेट टीम की कमान सौंपी गई है। इस दौरे का पूरा खर्च हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा उठाया जाएगा। वहीं नेहा सैनी ने एसपी मंडी साक्षी वर्मा, डीएसपी हैडक्वार्टर मंडी दिनेश कुमार, मंडी क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राणा और सचिव अभिनव गुलेरिया का आभार जताते हुए कहा कि पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों और क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों के निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के कारण ही वह अपनी ड्यूटी के साथ-साथ खेल के प्रति अपने जुनून को जीवित रख पाई हैं। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन ने उन पर जो भरोसा जताया है, वह उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगी और टीम को बेहतरीन मार्गदर्शन देकर प्रदेश का नाम रोशन करेंगी।

विराट कोहली ने 52वां शतक जड़कर रचा हैरतअंगेज इतिहास

टूट गया सचिन तेंदुलकर का महारिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली अपने करियर के उस फेज हैं, जब भी वह मैदान पर उतरते हैं तो रिकॉर्ड्स बनते और टूटते हैं। कुछ ऐसा ही रविवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में भी देखने को मिला। कोहली ने रांची के मैदान पर 102 गेंदों में 100 रन कंप्लीट किए और कीर्तिमानों की झड़ी लगा दी। यह उनके वनडे करियर का 52वां शतक था। कोहली ने हैरतअंगेज इतिहास रच डाला है। वह एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक सेंचुरी जमाने वाले वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का महारिकॉर्ड तोड़ डाला है। सचिन ने अपने करियर में टेस्ट फॉर्मेट में 51 शतक जड़े। बता दें कि कोहली 2023 में सचिन को पछाड़कर वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक मारने वाले क्रिकेटर बन थे। सचिन ने वनडे में 49 सेंचुरी लगाई। 37 वर्षीय कोहली ने सचिन का एक और ध्वस्त किया है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे मैचों में सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने वाले भारतीय प्लेयर बन गए हैं। वह अभी तक 32 मैचों में 6 शतक लगा चुके हैं। वहीं, महान बल्लेबाज सचिन ने साउथ अफ्रीका के विरुद्ध 57 वनडे मैचों में पांच शतक ठोके थे। इसके अलावा, कोहली घरेलू मैदान पर वनडे में सबसे ज्यादा पचास प्लस स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन चुके हैं। उन्होंने साथ ही घर पर 100 बार पचास प्लस स्कोर बनाने का कारनामा अंजाम दिया है।

रोहित बने वनडे में सिक्सर किंग

शाहिद अफरीदी के रिकॉर्ड की धज्जियां उड़ाकर बनाया विश्व कीर्तिमान

रांची (एजेंसी) ।भारत और साउथ अफीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला रांची के जेएससीए स्टेडियम में खेला जा रहा है।साउथ अफीका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी है।वहीं रोहित शर्मा बने वनडे में सिक्सर किंग बन गए उन्होंने शाहिद अफरीदी के रिकॉर्ड की धज्जियां उड़ाकर विश्व कीर्तिमान अपने नाम कर लिया था।भारतीय टीम ने 32 ओवर में 4 विकेट पर 208 रन बना लिए थे। विराट कोहली ने शानदार शतक लगाया। ऋतुराज गायकवाड (8 रन) को ओटनिल बार्टमैन ने डेवाल्ड ब्रेविस के हाथों कैच कराया।रोहित शर्मा (51 बॉल पर 57 रन) को मार्को यानसन ने एलबीडब्ल्यू किया।यशस्वी जायसवाल 18 रन बनाकर आउट हुए।उन्हें नांद्रे बर्गर ने विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक के हाथों कैच कराया। टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा ने दक्षिण अफीका के खिलाफ पहले वनडे में बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है।रोहित अब वनडे क्रिकेट में 352 छक्कों के साथ इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले क्रिकेटर बन गए हैं।रोहित को इस मैच से पहले ये रिकॉर्ड बनाने के लिए 3 छक्कों की जरूरत थी।रोहित ने इस मामले में पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी (351) को पीछे छोड़ दिया है जो इससे पहले वनडे इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के (351) मारने वाले खिलाड़ी थे।

अभिषेक शर्मा की तूफानी पारी

टी20 क्रिकेट में लगाया तीसरा सबसे तेज शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पंजाब के विस्फोटक ओपनर अभिषेक शर्मा ने एक बार फिर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार नमूना पेश किया। सिर्फ 12 गेंदों पर अर्धशतक लगाने वाले अभिषेक ने 32 गेंदों में सेंचुरी जड़कर घरेलू टी20 क्रिकेट में तहलका मचा दिया। हालांकि वे पुरुषों के टी20 क्रिकेट का सबसे तेज शतक बनाने का विश्व रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए, लेकिन भारतीय क्रिकेट में यह पारी उन्हें एक नई ऊंचाई पर ले जाती है। अभिषेक ने अपनी पारी के दौरान 11 छक्के और 7 चौके लगाए जबकि पंजाब ने टूर्नामेंट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा टीम स्कोर खड़ा किया।

अभिषेक शर्मा का धमाका—32 गेंदों में सेंचुरी: अभिषेक शर्मा अपनी अग्रेसिव बैटिंग स्टाइल के लिए जाने जाते हैं और इस मैच में उन्होंने इसे एक बार फिर साबित कर दिया। शुरुआती ओवर से ही उन्होंने गेंदबाजों पर हावी होकर खेलना शुरू किया और जल्दी ही पावरप्ले में मैच का रुख बदल दिया। 32 गेंदों में 11 छक्के और 7 चौकों की मदद से उन्होंने अपना शतक पूरा किया। यह पारी सिर्फ आक्रामक नहीं, बल्कि पूरी तरह नियंत्रित भी रही, जहां हर शॉट योजना के साथ खेला गया।

विश्व रिकॉर्ड से केवल 5 गेंद दूर रहे अभिषेक : भले ही अभिषेक की शतकीय पारी यादगार रही हो, लेकिन वे पुरुषों के टी20 इतिहास के सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड से कुछ कदम दूर रह गए। यह रिकॉर्ड एस्टोनिया के बल्लेबाज साहिल चौहान के नाम है जिन्होंने मात्र 27 गेंदों में शतक जड़कर इतिहास बनाया था। अभिषेक 32 गेंदों में शतक बनाकर इस उपलब्धि के करीब पहुंचे, लेकिन रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए।

भारतीय क्रिकेट में तीसरा सबसे तेज ञ20 शतक : अभिषेक शर्मा का यह शतक भारतीय क्रिकेट इतिहास में तीसरा सबसे तेज टी20 शतक है। इससे पहले वे खुद भी दूसरे सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड में संयुक्त रूप से शामिल थे। उन्होंने 28 गेंदों में टी20 शतक बनाने की उपलब्धि हासिल की थी, जो उर्विल पटेल के साथ साझा है। उर्विल पटेल ने 2024 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में गुजरात की ओर से त्रिपुरा के खिलाफ यह रिकॉर्ड कायम किया था।

ला लीगा में बार्सिलोना ने अलावेस को 3-1 से हराया

- **ओल्मो के दो और यामाल ने एक गोल किया; बार्सिलोना पॉइंट टेबल में टॉप पर**

नई दिल्ली, एजेंसी। कैंप नोउ के स्टेडियम में खेले गए मैच में दानी ओल्मो ने दो गोल किए, जबकि लैमिन यामाल ने टीम के लिए एक गोल दागा। मैच की शुरुआत में अलावेस ने पहले ही मिनट में बढ़त बना ली थी। पहले हाफ में तीन गोल मुकाबले की शुरुआत बार्सिलोना के लिए हैरान करने वाली रही।

पहले ही मिनट में मार्क कासाडो की गलत क्लियरेंस का फायदा उठाकर विक्टर पराडा की पास पर पाब्लो इबानेज ने गोल कर दिया और अलावेस को 1-0 की बढ़त दिला दी।इसके बाद बार्सिलोना ने तेजी से वापसी की और रफीन्हा के क्रॉस पर यामाल ने बराबरी का गोल किया। हाफ टाइम से पहले दानी ओल्मो ने रफीन्हा की ही सहायता पर गेंद को नेट में पहुंचाकर टीम को बढ़त दिलाई।

दूसरे हाफ में बार्सिलोना की ओर से एक गोल दूसरे हाफ में यामाल ने एक बार फिर मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट पोस्ट से टकरा गया। अलावेस के लुकास बोये ने भी बराबरी का मौका गंवाया, जिसे पाउ कुबर्सी ने शानदार ब्लॉक से रोक दिया।

स्टेडियम में मौजूद करीब 45,000 दर्शकों ने पेड्री के दूसरे हाफ में लौटने पर जोरदार स्वागत किया। मैच के अंतिम क्षणों में यामाल की पासिंग से ओल्मो ने अपना दूसरा और टीम का तीसरा गोल दागकर जीत पक्की की। मैच के बाद ओल्मो ने कहा, पहले मिनट में हम चौंके, लेकिन पूरी टीम ने शानदार वापसी की।

वोहरा के अर्धशतक से चंडीगढ़ ने महाराष्ट्र को हराया, हैदराबाद और मध्यप्रदेश भी जीते

कोलकाता। सलामी बल्लेबाज मनन वोहरा की 48 गेंद में नाबाद 72 रन की पारी की बदौलत चंडीगढ़ ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एलीट ग्रुप बी मैच में रविवार को यहां महाराष्ट्र को पांच विकेट से हरा दिया। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए महाराष्ट्र ने अर्शिन कुलकर्णी की 41 गेंद में 47 रन की पारी से 20 ओवर में सात विकेट पर 139 रन का स्कोर खड़ा किया। विक्की ओस्तवाल ने 28 जबकि निखिल नाईक ने 24 रन का योगदान दिया। चंडीगढ़ की ओर से संदीप शर्मा ने 18 रन पर दो विकेट चटकाए। जगजीत सिंह, निखिल शर्मा, राहुल सिंह और भागमेंदर लाठेर ने एक-एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए चंडीगढ़ ने 6.2 ओवर में 43 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन वोहरा ने पारी को संभाला जिससे टीम ने दो गेंद शेष रहते पांच विकेट पर 142 रन बनाकर जीत दर्ज की। वोहरा ने 48 गेंद की अपनी पारी में नौ चौके और दो छक्के मारे। उन्होंने निखिल ठाकुर (36) के साथ चौथे विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी की। प्रशांत सोलंकी (22 रन पर एक विकेट) ने निखिल को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। लाठेर भी 13 रन बनाकर रन आउट हो गए जिसके बाद वोहरा ने निखिल शर्मा (नाबाद 05) के साथ मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। ईडन गार्डन्स में प्रग्नय रेड्डी के 34 गेंद में नाबाद 67 रन की बदौलत हैदराबाद ने गोवा को सात विकेट से हरा दिया। टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करते हुए गोवा ने 67 रन तक चार विकेट गंवा दिए थे जिसके बाद ललित यादव ने 48 गेंद में 10 चौकों और तीन छक्कों से नाबाद 85 रन की पारी खेलकर टीम का स्कोर चार विकेट पर 160 रन तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए अमन राव (40) और रेड्डी ने दूसरे विकेट के लिए 71 रन जोडक़र हैदराबाद को ठोस शुरुआत दिलाई। अमन के आउट होने से यह साझेदारी टूटी लेकिन रेड्डी ने हैदराबाद को 36 गेंद शेष रहते लक्ष्य तक पहुंचा दिया। ग्रुप के एक अन्य मैच में मध्यप्रदेश ने उत्तर प्रदेश को 37 रन से हराया। मध्यप्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए हर्ष गवली (49), रजत पाटीदार (43), हरप्रीत सिंह (33) और अंकुश सिंह (31) की पारियों से सात विकेट पर 184 रन बनाए। इसके जवाब में उत्तर प्रदेश की टीम रिंकू सिंह की 42 गेंद में 65 रन की पारी के बावजूद 18.4 ओवर में 147 रन पर ढेर हो गई। मध्यप्रदेश की ओर से शिवम शुक्ला ने 36 जबकि राहुल बैथम ने 33 रन देकर तीन-तीन विकेट चटकाए। कुमार कार्तिकेय ने 24 रन देकर दो विकेट हासिल किए। **(एजेंसी)**

भारत अंडर-19 और अफगानिस्तान अंडर-19 के बीच त्रिकोणीय श्रृंखला का फाइनल रद्द

बेंगलुरु। भारत अंडर-19 और अफगानिस्तान अंडर-19 के बीच एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला का फाइनल मैच खराब मौसम की वजह से रविवार को यहां रद्द हो गया। भारत अंडर-19 टीम 19 ओवर में पांच विकेट पर 79 रन बनाकर जूझ रही थी जब बारिश और खराब रोशनी की वजह से खेल रोकना पड़ा जो दोबारा शुरू नहीं हो पाया। तेज गेंदबाज अब्दुल अजीज ने कप्तान विहान मल्होत्रा और वंश आचार्य के विकेट लेकर अफगानिस्तान को शुरुआती सफलताएं दिलाईं जिससे भारत का स्कोर चार विकेट पर 24 रन हो गया। निष्क चौहान (नाबाद 28) और अभिज्ञान कुंडू (27) ने पांचवें विकेट के लिए 51 रन जोडक़र विकेटों के पतझड़ पर विराम लगाया लेकिन इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और अंततः मैच रद्द हो गया।**(एजेंसी)**

जूनियर विश्व कप

स्पेन ने बेल्जियम को 2-0 से हराकर दूसरी जीत दर्ज की

मदुरै। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज स्पेन ने एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के पूल डी मैच में रविवार को यहां बेल्जियम को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत हासिल कर क्वार्टरफाइनल की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए। स्पेन ने जुआन प्राडो (20वें मिनट) के मैदानी गोल और ब्रूनो अविला (32वें मिनट) के पेनल्टी कॉर्नर से किए गए गोल की बदौलत जीत दर्ज की। स्पेन ने इससे पहले शुक्रवार को अपने पहले मैच में मिस्र को 8-0 से शिकस्त दी थी। इस जीत से स्पेन छह अंक के साथ पूल डी में शीर्ष पर है। दुनिया की सातवें नंबर की टीम बेल्जियम दो मैच में तीन अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। स्पेन अब मंगलवार को नामीबिया से भिड़ेगा जबकि बेल्जियम का मुकाबला इसी दिन मिस्र से होगा। पूल डी के एक अन्य मैच में नामीबिया ने मिस्र को 4-2 से हराया। नामीबिया के लिए लियाम ब्रूस (23वें मिनट), जेम्स डि जैगर (26वें मिनट) और जोश वान डर मर्वे (32वें मिनट) ने तीन मैदानी गोल किए जबकि जॉन पॉल ब्रिट्ज ने 60वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। मिस्र के लिए अब्देलरहमान कासेम (28वें मिनट) और मोहब हेगाब (53वें मिनट) ने गोल किए। रविवार को यहां हुए दूसरे मैचों में दुनिया की पांचवें नंबर की नीदरलैंड ने मलेशिया को 6-। से हरा दिया जिससे वह पूल ई में दो मैच जीतकर शीर्ष पर है जबकि इंग्लैंड ने ऑस्ट्रिया को 13-0 से हराकर दूसरा स्थान हासिल किया। नीदरलैंड के लिए सैम लेन (5वें, 7वें, 33वें, 34वें, 41वें मिनट) ने पांच गोल किए जबकि जेम्स हॉकसन ने एक गोल किया। मलेशिया के लिए एकमात्र गोल फैजल सारी ने 43वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से किया। इंग्लैंड और ऑस्ट्रिया के बीच हुए मैच में कैडेन ड्रेसी (24वें, 25वें, 29वें, 53वें) और हेनरी मार्खम (32वें, 38वें, 47वें) ने हैटिक बनाई जबकि जॉर्ज फ्लेचर (21वें, 27वें), माइकल रॉयडेन (36वें), ओली बेनेट (40वें), एलेक्स चिहोटा (49वें) और मैक्स एंडरसन (54वें) ने विजेता टीम के लिए एक-एक गोल किया। इंग्लैंड मंगलवार को मदुरै में अपने आखिरी पूल मैच में मलेशिया से खेलेगा जबकि नीदरलैंड का मुकाबला ऑस्ट्रिया से होगा। **(एजेंसी)**

राष्ट्रमंडल खेलों की परिचालन लागत 3000 से 5000 करोड़ रु के बीच हो सकती है

नई दिल्ली। 2030 राष्ट्रमंडल खेल के लिए जल्द ही गठित होने वाली अहमदाबाद की आयोजक समिति इस टूर्नामेंट को 3,000 से 5,000 करोड़ रुपए की परिचालन लागत में आयोजित करने का लक्ष्य रखेगी। खेलों की योजना बनाने में नजदीकी तौर पर शामिल एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार खेल और सार्वजनिक उपयोगिता सुविधाओं सहित चल रहे बुनियादी ढांचा उन्नयन के लिए अनुमान अभी तय किए जा रहे हैं ताकि इस टूर्नामेंट की कुल लागत को अंतिम रूप दिया जा सके। सूत्र ने बताया कि गुजरात ने 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों से जरूरी सबक लिया है क्योंकि वे कई विवादों में घिर गए थे जिनमें बुनियादी ढांचे में देरी, भ्रष्टाचार के आरोप और शुरुआती अनुमान से कहीं अधिक बढ़ी हुई लागत शामिल थीं। उन्होंने कहा, अहमदाबाद राष्ट्रमंडल खेलों की परिचालन लागत 3,000 से 5,000 करोड़ रुपए के बीच होगी। इसमें पूंजीगत व्यय शामिल नहीं है जो अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण में लगाया जाएगा जिनमें से कुछ शहरी विकास विभाग द्वारा संभाले जा रहे हैं। सूत्र ने कहा, स्पष्ट है कि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण पर होने वाला खर्च खेलों की लागत में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि उसका उपयोग खेलों से आगे भी किया जाएगा। यह एक थोड़ी लंबी प्रक्रिया है और अंतिम अनुमान तक पहुंचने में हमें कुछ समय लगेगा। खेलों की परिचालन लागत वह खर्च है जो टूर्नामेंट के संचालन पर उसकी निर्धारित अवधि के लिए किया जाता है। इसका कुछ हिस्सा टिकट बिक्री और टूर्नामेंट के दौरान होने वाले व्यावसायिक सौदों से होने

वाली आय से पूरा किया जा सकता है। 2010 खेलों की परिचालन लागत 2,600 करोड़ रुपए से थोड़ी अधिक थी जो शुरुआती 635 करोड़ रुपए के अनुमान से बहुत अधिक थी। ये खेल अब तक के सबसे महंगे खेल साबित हुए जिनकी कुल लागत सरकारी खजाने पर 70,000 करोड़ रुपए से अधिक बैठी। गुजरात के खेल प्रधान सचिव अश्वनी कुमार इस सप्ताह की शुरुआत में ग्लास्गो में मौजूद भारतीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे और जब अहमदाबाद को 2030 खेलों की मेजबानी सौंपी गई तो उन्होंने बजट पर बात करने से इनकार कर दिया। लेकिन उन्होंने पीटीआई को पुष्टि की कि एक आयोजन समिति बनाने की योजना पर विचार किया जा रहा है जो एक गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में पंजीकृत हो और जिसे खेलों के बाद भंग किया जा सके। कंपनी का दर्जा होने के कारण आयोजक समिति पर वित्तीय निगरानी अधिक होगी और इसके दिसंबर के अंत या जनवरी 2026 की शुरुआत तक गठित होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, इस गैर-लाभकारी कंपनी पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। यह मॉडल 2006 मेलबर्न राष्ट्रमंडल खेल में अपनाया गया था और 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों के बाद कैग द्वारा सुझाया गया था। दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में क्या हुआ उस पर बात नहीं करना चाहता, लेकिन मुझे लगता है कि सबक ले लिए गए हैं। मेलबर्न चरण को अब तक के सबसे अच्छे राष्ट्रमंडल खेल में से एक माना जाता है। कुमार ने कहा कि अहमदाबाद की आयोजक समिति हर पहलू में पेशवरपन लाने के लिए काम करेगी और जनवरी के पहले सप्ताह तक काम शुरू कर देगी। उन्होंने कहा, आयोजन समिति में 12 से 15 सदस्य होंगे। दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों के लिए आयोजन समिति एक सोसाइटी के रूप में पंजीकृत थी जिसके अध्यक्ष उस समय के आईओए प्रमुख सुरेश कलमाड़ी थे।**(एजेंसी)**

श्रीलंका में दित्वा चक्रवात के कारण 200 से अधिक लोगों की मौत

भारत की मदद से बचाव अभियान जारी

» कोलंबो, भाषा।

श्रीलंका ने चक्रवात दित्वा के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही और 200 से अधिक लोगों की मौत के बाद रविवार को भारत की सहायता से राहत और बचाव कार्य जारी रखा। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) की ओर से रविवार शाम चार बजे जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, बृहस्पतिवार से अब तक 212 लोगों की मौत हो चुकी है और 218 लोग लापता हैं। डीएमसी ने बताया कि 9,98,918 लोग प्रभावित हुए हैं। इस बीच, भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और भारतीय वायुसेना के कर्मी लोगों की जान बचाने में श्रीलंकाई अधिकारियों की सहायता के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर लिखा, एनडीआरएफ के कर्मी श्रीलंका में स्थानीय अधिकारियों के साथ करीबी समन्वय के तहत राहत अभियान जारी रखे हुए हैं। भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत एनडीआरएफ के 80 कर्मियों के दो तलाश एवं बचाव दलों को श्रीलंका भेजा है। भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टरों ने एक साहसिक अभियान के तहत

भारतीयों समेत फंसे हुए यात्रियों को एक प्रतिबंधित क्षेत्र से बाहर निकाला। वायुसेना ने कहा कि इस अभियान के दौरान तीन गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए हेलीकॉप्टर के जरिए अस्पताल भेजा गया। इसके अलावा वायुसेना की टीम ने श्रीलंकाई सेना के पांच टीमों (40 सैनिकों) को भी दियाथलावा सैन्य शिविर से कोटमाले क्षेत्र में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों के लिए हेलीकॉप्टर से पहुंचाया।

श्रीलंका : राजधानी कोलंबो के पूर्वी उपनगरों में बाढ़ की चेतावनी जारी

कोलंबो। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो के अधिकांश पूर्वी उपनगरों में रविवार सुबह बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि देश विनाशकारी बाढ़, भूस्खलन और चक्रवात दित्वा से हुई भारी तबाही से जूझ रहा है। कोलंबो जिला सचिव प्रसन्ना गिनिगे ने कहा कि केलानी नदी का जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंचने के कारण अलर्ट जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि खतरे वाले क्षेत्रों के स्कूलों को बाढ़ से विस्थापित लोगों के लिए राहत केंद्रों के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। लोगों को घर खाली करने की चेतावनी दी गई है। हालांकि, अधिकारियों ने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि लोग चेतावनियों पर ध्यान देने में स्पष्ट रूप से आनाकानी कर रहे हैं। केलानी नदी ऊपरी मध्य पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाले जल प्रवाह से अभी भी जलमग्न है, जहां चक्रवात दित्वा से भारी तबाही हुई थी। मौसम विभाग के महानिदेशक अथुला करुणानायके ने बताया कि आज सुबह आठ बजे चक्रवात दित्वा को श्रीलंका के उत्तरी जाफना से 150 किलोमीटर दूर तमिलनाडु तट पर प्रवेश करते देखा गया। उन्होंने कहा कि देश में कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होगी, लेकिन निकट भविष्य में द्वीप पर कोई प्रतिकूल मौसम की स्थिति नहीं होगी। राष्ट्रीय आपदा राहत केंद्र के सहायक सचिव जयतिस्सा मुनसिंघे ने कहा कि बाढ़ और भूस्खलन के कारण 2,34,503 परिवारों के 8,33,985 लोग प्रभावित हुए हैं। मुनसिंघे ने कहा, हम लोगों को आवास प्रदान करने और उन्हें राहत प्रदान करने के लिए 919 केंद्र संचालित कर रहे हैं। इनमें 34,198 परिवारों के 1,22,822 लोग रह रहे हैं।

सुमात्रा में भीषण बाढ़ के बीच भोजन सामग्री और पानी के लिए लूटपाट

मेदान, (भाषा)। इंडोनेशिया में भीषण बाढ़ से प्रभावित सुमात्रा द्वीप के कुछ लोगों ने जीवित रहने के लिए भोजन सामग्री और पानी की तलाश में लूटपाट की। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इंडोनेशिया में लगभग एक सप्ताह पहले आई बाढ़ में अब तक 303 लोगों की मौत हो चुकी है, यह संख्या बढ़ने की आशंका है। बाढ़ के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। सुमात्रा में बाढ़ के कारण भूस्खलन हुआ, सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं, द्वीप के कुछ हिस्से कट गए तथा संचार लाइनें टूट गईं। चुनौतीपूर्ण हालात और साजो सामान की कमी ने भी बचाव कार्यों में बाधा डाली है। उत्तरी सुमात्रा के सबसे अधिक प्रभावित शहर सिबोल्गा और मध्य तपनौली जिले तक सहायता पहुंचने में देरी हुई है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में लोगों को भोजन, दवाइयां और गैस हासिल करने के लिए अवरोधकों, पानी से भरी सड़कों और टूटे हुए कांच को पार करते हुए देखा जा सकता है। कुछ लोग तो क्षतिग्रस्त दुकानों तक पहुंचने के लिए कमर तक भरे बाढ़ के पानी में भी चले गए। उत्तरी सुमात्रा की पुलिस ने शनिवार शाम को पहली बार लूटपाट की घटनाओं की जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता फेरी वालिंटुकन ने बताया कि हालात को नियंत्रित करने के लिए क्षेत्रीय पुलिस बल को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा, लूटपाट तब हुई जब राहत सामग्री पहुंची नहीं थी। वे (निवासी) नहीं जानते थे कि मदद आने वाली है और उन्हें डर था कि वे भूखे मर जाएंगे।

संविधान के अनुच्छेद 243 में बदलाव किया गया

पाक ने 27वें संविधान संशोधन के बारे में यूएनएचसीएचआर प्रमुख की निराधार आशंकाओं को खारिज किया

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान ने रविवार को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त (यूएनएचसीएचआर) वोल्कर तुर्क की 27वें संविधान संशोधन के बारे में चिंता को निराधार और गलत आशंका बताते हुए खारिज कर दिया। जिनेवा में शुक्रवार को जारी एक बयान में मानवाधिकार प्रमुख ने कहा कि पिछले वर्ष के 26वें संशोधन की तरह नवीनतम संवैधानिक संशोधन को भी कानूनी समुदाय और नागरिक समाज के साथ व्यापक परामर्श और चर्चा के बिना अपनाया गया है। उन्होंने कहा कि जल्दबाजी में किए गए संशोधनों ने न्यायिक स्वतंत्रता को कमजोर किया है और सैन्य जवाबदेही को लेकर चिंताएं पैदा की हैं। विदेश कार्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सभी संसदीय लोकतंत्रों की तरह, सभी कानून और संविधान में कोई भी संशोधन पाकिस्तान की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के अधिकार क्षेत्र में है।

बयान में कहा गया, हालांकि, पाकिस्तान मानवाधिकार उच्चायुक्त के कार्य को उचित महत्व देता है, लेकिन यह खेदजनक है कि जारी किए गए बयान में जमीनी हकीकत प्रतिबिंबित नहीं हुई। इसमें कहा गया कि पाकिस्तान संविधान में निहित मानवाधिकारों, मानवीय गरिमा, बुनियादी स्वतंत्रताओं और कानून के शासन की रक्षा, संवर्धन और उसे बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बयान में कहा गया, हम उच्चायुक्त से आग्रह करते हैं कि वे पाकिस्तान की संसद के संप्रभु निर्णयों का सम्मान करें और ऐसी टिप्पणियों से बचें जो राजनीतिक पूर्वाग्रह और गलत सूचना को दर्शाती हों। इस महीने की शुरुआत में, पाकिस्तान की सीनेट और नेशनल असेंबली की संयुक्त संसदीय समिति ने 27वें संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी दी थी। विपक्ष ने आरोप लगाया था कि सरकार उच्चतम न्यायालय के लिए खतरे का संकेत दे रही है। इस संशोधन के जरिए संविधान के अनुच्छेद 243 में बदलाव किया गया है, जिसके तहत ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष को हटाकर एक नए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष की नियुक्ति की गई है। इसी संशोधन के तहत एक संघीय संवैधानिक न्यायालय की स्थापना की गई है और मौजूदा उच्चतम न्यायालय की शक्तियों को सीमित किया गया है।

नेशनल गार्ड के सदस्यों पर गोलीबारी के बाद अमेरिका ने शरण देने संबंधी सभी फैसलों पर रोक लगाई

वाशिंगटन। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने शरण देने संबंधी सभी फैसलों पर और अफगान पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले लोगों को वीजा देने पर रोक लगा दिया है। वॉशिंगटन में गोलीबारी में नेशनल गार्ड के जवान की मौत की घटना के बाद प्रशासन ने वैध आव्रजन को नियंत्रित करने के प्रयासों को और तेज कर दिया है। व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आवास एवं कार्यालय) के पास बुधवार को हुई गोलीबारी की घटना में वेस्ट वर्जीनिया नेशनल गार्ड की स्पेशलिस्ट सारा बेकस्ट्रॉम (20) की मौत हो गई थी और स्टाफ सार्जेंट एंड्रयू वोल्फ (24) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। संदिग्ध रहमानुल्लाह लकनवाल 29 साल का अफगान नागरिक है जिस पर प्रथम-डिग्री हत्या सहित कई आरोप लगाए गए हैं। जांच अधिकारी इस हमले की मंशा का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका में सेना की मदद करने वाले अफगानों को बसाने में मदद करने वाले एक समूह ने बताया कि लकनवाल ने अफगानिस्तान युद्ध के दौरान सीआईए के साथ काम किया था। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन के दौरान शरण के लिए आवेदन किया था और इस साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने उन्हें शरण की मंजूरी दी थी। रिपब्लिकन प्रशासन ने कुछ गरीब देशों से नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश को रोकने और देश में पहले से मौजूद अफगानों तथा अन्य वैध प्रवासियों की समीक्षा करने का वादा किया है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में चौबीस घंटे में हुए सात धमाके

» कराची, भाषा।

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में पिछले 24 घंटे में कम से कम सात धमाके हुए, जिनमें एक निर्माण कंपनी के दो सुरक्षा गार्ड घायल हो गए। संदिग्ध उग्रवादियों ने बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा और डेरा मुराद जमाली में हमले किए। उग्रवादियों ने शनिवार को क्वेटा में एक पुलिस चौकी पर हाथगोले फेंके, जिसके बाद आईईडी से आतंकवाद विरोधी विभाग की एक गाड़ी के पास विस्फोट किया गया। इसके बाद शाम को तीन और विस्फोट हुए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आसिफ खान ने कहा कि विस्फोट लोहर कहरेज के पास हुआ, जो क्वेटा के बाहरी इलाके में स्थित है। उन्होंने कहा कि इस विस्फोट के जरिए क्वेटा को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाली मुख्य लाइन उड़ा दी गई।

इस घटना के बाद राजधानी में डर और अफरा-तफरी का माहौल हो गया, हालांकि किसी की मौत होने की खबर नहीं मिली है। एसएसपी खान ने बताया कि उग्रवादियों ने रेलवे ट्रैक पर आईईडी लगाए थे और जब ट्रेन क्वेटा स्टेशन पहुंचने वाली थी, तो विस्फोट हो गया। इस विस्फोट के कारण पटरी को नुकसान पहुंचा, जिसके कारण रेल सेवाएं निलंबित कर दी गईं। इसके अलावा, डेरा मुराद जमाली में एक गश्ती पुलिस वाहन पर भी हमला किया गया जिसमें हमलावरों ने हाथगोले फेंके। एसएसपी खान ने यह भी बताया कि उग्रवादियों ने क्वेटा के सरीब रोड पर एक कंपनी के निर्माण स्थल पर हाथगोले फेंके, जिससे साजो सामान को नुकसान हुआ और दो सुरक्षा गार्ड घायल हो गए।

कैलिफोर्निया के स्टॉकटन में गोलीबारी में चार लोगों की मौत, 10 घायल

» मेलबर्न, भाषा।

कैलिफोर्निया के स्टॉकटन शहर में एक बैंक्वेट हॉल में एक समारोह के दौरान की गई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई जबकि 10 अन्य घायल हो गए। शेरिफ कार्यालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। सैन जोएकिन काउंटी के शेरिफ कार्यालय की प्रवक्ता हीदर ब्रेंट ने कहा कि पीड़ितों में बच्चे और वयस्क दोनों शामिल हैं और प्रारंभिक संकेतों के अनुसार यह लक्षित हमले का मामला हो सकता है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध हमलावर को अब तक पकड़ा नहीं गया है और उन्होंने लोगों से मदद की अपील की है।

सैन जोएकिन काउंटी के जिला अटॉर्नी रॉन फ्रेटास ने संवाददाताओं से कहा, यदि आपके पास इस व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी है तो तुरंत संपर्क करें और यदि आप वही व्यक्ति हैं तो तुरंत आत्मसमर्पण कर दें। गोलीबारी शाम छह बजे से ठीक पहले बैंक्वेट हॉल के अंदर हुई। स्टॉकटन की आबादी 3.2 लाख है और यह सैक्रामेंटो से लगभग 64 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। मेयर क्रिस्टिना फुगाजी ने कहा कि लोगों को घायलों के शीघ्र स्वस्थ्य होने की प्रार्थना करनी चाहिए। अधिकारियों ने घायलों की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी केवल इतना बताया कि कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नेपाल में 4.4 तीव्रता का भूकंप

» काठमांडू, भाषा।

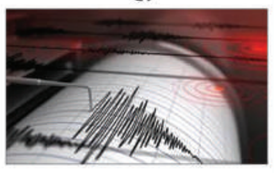

नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रांत के बझांग जिले में रविवार को 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र (एनईएमआरसी) के अनुसार, स्थानीय समयानुसार अपराह्न बारह बजे आए भूकंप का केंद्र बझांग जिले में साइपाल पर्वत था।

एनईएमआरसी ने बताया कि भूकंप के झटके पश्चिमी प्रांत के बाजुरा सहित पड़ोसी जिलों में रहने वाले लोगों ने भी महसूस किए। नेपाल सर्वाधिक सक्रिय टेक्टोनिक क्षेत्रों (भूकंपीय क्षेत्र चार और पांच) में स्थित है, जिसके कारण यह भूकंप के प्रति अत्यंत संवेदनशील है, तथा यहां प्रत्येक वर्ष कई भूकंप आते हैं।

वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र को बंद माना जाना चाहिए: ट्रंप

» वेस्ट पाम बीच (अमेरिका), भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वेनेजुएला के ऊपर और आसपास के हवाई क्षेत्र को पूरी तरह से बंद माना जाना चाहिए और उनके इस बयान ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर अमेरिकी दबाव को लेकर और सवाल खड़े कर दिए हैं। वेनेजुएला सरकार ने ट्रंप पर औपनिवेशिक ख़तरा पैदा करने का दावा किया और दक्षिण अमेरिकी देश (वेनेजुएला) की संप्रभुता को कमज़ोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर जो कुछ पोस्ट किया था उस बारे में व्हाइट हाउस ने कोई जवाब नहीं दिया और यह भी स्पष्ट नहीं है कि क्या वह एक नई नीति की घोषणा कर रहे थे या केवल मादुरो के खिलाफ अपने अभियान के बारे में संदेश को मजबूत कर रहे थे।

इस अभियान के तहत, कैरिबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में मादक पदार्थ ले जाने के आरोप में

छोटी नौकाओं पर कई हमले किए जाने तथा इस क्षेत्र में नौसेना के पोत को तैनात करना शामिल है। सितंबर की शुरुआत से अब तक ऐसे हमलों में 80 से अधिक लोग मारे गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हवाई नाकेबंदी का आह्वान मादुरो के बजाय एयरलाइंस, पायलट, मादक पदार्थों के डीलरों और मानव तस्करों के लिए किया। वेनेजुएला सरकार ने कहा कि वह हवाई क्षेत्र बंद करने के ट्रंप के दावे को पूरी तरह से खारिज करती है और कहा कि यह

मादुरो ने औपनिवेशिक खतरे का दावा किया

एक औपनिवेशिक खतरा है जिसका मकसद देश की क्षेत्रीय अखंडता, वैमानिकी सुरक्षा और पूर्ण संप्रभुता को कमज़ोर करना है। वेनेजुएला के विदेश मंत्रालय ने कहा, ऐसी घोषणाएं शत्रुतापूर्ण, एकतरफ़ा और मनमाना कृत्य हैं। बयान में यह भी कहा गया है कि अमेरिकी आव्रजन अधिकारियों ने वेनेजुएला के प्रवासियों की द्वि-साप्ताहिक निर्वासन उड़ानों को एकतरफा तौर पर स्थगित कर दिया है। दोनों सरकारों के बीच बातचीत के बाद, इस साल दर्जनों चार्टर्ड उड़ानों के जरिए 13,000 से अधिक वेनेजुएलावासियों को वेनेजुएला निर्वासित किया गया है। इनमें एक उड़ान शुक्रवार देर रात राजधानी कराकस पहुंची, जैसा कि उड़ान-ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है। पिछले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों ने वेनेजुएला के लिए उड़ानें रद्द करना शुरू कर दिया था, क्योंकि संघीय विमानन प्रशासन ने पायलटों को देश में बढ़ती सैन्य गतिविधियों के कारण सावधानी बरतने को कहा था। ट्रंप प्रशासन ने मादुरो पर दबाव बढ़ाने की कोशिश की है। अमेरिकी सरकार मादुरो को तेल-समृद्ध, लेकिन तेज़ी से गरीबी की ओर बढ़ रहे दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र का वैध नेता नहीं मानती, और उन पर अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप हैं। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के निकट बमवर्षक उड़ानें भरी हैं, और अमेरिका के सबसे उन्नत विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड को भी इस क्षेत्र में भेजा गया है। इसके पहुंचने के साथ, ऑपरेशन सदर्न स्पीयर मिशन में अमेरिकी नौसेना के करीब एक दर्जन जहाज और लगभग 12,000 नाविक और मरीन शामिल हैं।

हांगकांग में आग लगने से मरने वालों की संख्या 146 हुई, 150 लोगों की स्थिति अभी स्पष्ट नहीं : रिपोर्ट

» बीजिंग/हांगकांग, भाषा।

हांगकांग में सात ऊंची आवासीय इमारतों में लगी आग में मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 146 हो गई, जबकि 150 लोगों का अब भी पता नहीं चल पाया है। तलाशी अभियान पांचवें दिन भी जारी है। हांगकांग के भ्रष्टाचार निरोधक निकाय ने बुधवार को आग लगने वाली इमारतों के नवीकरण कार्य से जुड़ी एक महिला सहित आठ लोगों को कथित रूप से ज्वलनशील और घटिया सामग्री का उपयोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि अग्निकांड में मरने वालों की संख्या बढ़कर 146 हो गई है, जिसमें एक अग्निशमनकर्मी भी शामिल है।

अग्निकांड की जांच चल रही है और कई अनुत्तरित प्रश्न हैं, विशेष रूप से यह कि 1,984 फ्लैट वाली सात ऊंची इमारतों में आग कैसे लगी? इन फ्लैट में लगभग 4,600 निवासी रहते थे। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के अनुसार, 150 लोगों की स्थिति स्पष्ट नहीं है। इसके अलावा, बचे

लोगों ने शिकायत की कि इमारतों में लगे अग्नि अलार्म काम नहीं कर रहे थेअ परिणामस्वरूप, लोगों को कोई पूर्व चेतावनी नहीं मिल सकी। इस घटना के बाद, चीन ने पूरे देश में ऊंची आवासीय और सार्वजनिक इमारतों में आग के खतरों का राष्ट्रव्यापी निरीक्षण शुरू कर दिया है। शनिवार को जारी एक नोटिस में, राज्य परिषद की कार्य सुरक्षा समिति ने स्थानीय सरकारों को निर्देश दिया कि वे आवासीय टावरों, कार्यालय भवनों, अस्पतालों और वाणिज्यिक परिसरों में तत्काल जांच करें और समस्याओं का समाधान करें। अधिकांश फ्लैट के पूरी तरह जल जाने के कारण इनमें रहने वाले लोगों को पास के 1000 खाली फ्लैटों में ठहराया गया है।

पूर्वी फ्रांस में घर में आग लगने से पांच की मौत

न्यूवेस-मैसन्स (फ्रांस)। पूर्वी फ्रांस के एक छोटे कस्बे में एक घर में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। म्यूर्थ-ए-मोसेले विभाग ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि न्यूवेस-मैसन्स शहर में लगी आग पर काबू पाने के लिए रातभर 70 दमकलकर्मी और लगभग 40 वाहनों को तैनात किया गया था। इस घटना की नैंसी के अभियोजक कार्यालय ने जांच शुरू की है। उन्होंने बताया कि धुएं के कारण श्वांस लेने में परेशानी महसूस करने वाले छठे व्यक्ति का उपचार किया गया और उसका जीवन खतरे से बाहर है। स्थानीय मीडिया आईसीआई लोरेन ने पुलिस सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि पीड़ितों में दंपति और 17 से 20 वर्ष की आयु के तीन युवा शामिल थे।

आयु सीमा में वृद्धि के बाद 37 लाख चीनी नागरिक सिविल सेवा परीक्षा में हुए शामिल

बीजिंग। पात्रता आयु सीमा 35 वर्ष से अधिक किए जाने के बाद पहली राष्ट्रीय सिविल सेवा परीक्षा में रविवार को 37 लाख से अधिक चीनी नागरिक उपस्थित हुए, जिससे देश में बढ़ती बेरोजगारी के दबाव के बीच सरकारी नौकरियों की मांग में वृद्धि का संकेत मिलता है। यह परीक्षा देश की केंद्र सरकार और उसके विभागों में पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन करती है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार, 37 लाख से ज़्यादा चीनी नागरिक इस परीक्षा में शामिल हुए, जिसका मतलब है कि औसतन लगभग 98 आवेदक एक उपलब्ध पद के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, इनमें से लगभग 70 प्रतिशत रिक्तियां नए कॉलेज स्नातकों के लिए आरक्षित हैं। चीन ने इस परीक्षा के लिए पात्रता आयु सीमा को सामान्यतः 38 वर्ष कर दिया है। पात्रता की उम्र सीमा को 35 वर्ष से बढ़ाए जाने को स्वागत योग्य कदम माना जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि नए स्नातक से लेकर मास्टर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों के लिए आयु सीमा को और कम करके 43 वर्ष कर दिया गया है। यह चीन द्वारा हाल में विदेशी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित पेशेवरों के लिए के-वीजा की घोषणा के बाद पहली परीक्षा है। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नया एच-।बी वीजा प्राप्त करने के लिए एक लाख अमेरिकी डॉलर शुल्क की घोषणा की थी। चीन के एच-1बी वीजा के रूप में प्रचारित इस नए वीजा को चीनी सोशल मीडिया पर कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा, जहां देश में मौजूदा उच्च बेरोजगारी दर को देखते हुए ऑनलाइन उपयोक्ताओं ने इसके समय पर सवाल उठाए। चीन में बेरोजगारी दर लगभग 19 प्रतिशत बताई जाती है।

क्षमादान से राष्ट्रीय एकता बहाल करने में मदद मिलेगी : ट्रंप

नेतन्याहू ने भ्रष्टाचार के मुकदमे जारी रहने के बीच क्षमादान का अनुरोध प्रस्तुत किया

» यरूशलम, भाषा।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया है कि वे उन्हें भ्रष्टाचार के आरोपों से क्षमादान प्रदान करें। नेतन्याहू ने ऐसा करके लंबे समय से जारी भ्रष्टाचार के उस मुकदमे पर रोक का प्रयास किया है जिसने देश को बुरी तरह विभाजित कर दिया है। नेतन्याहू इन आरोपों को लेकर देश की न्याय व्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलावों के दौर में देश को एकजुट करने में मदद करेगा। हालांकि नेतन्याहू के विरोधियों ने तुरंत इसकी निंदा की और कहा कि इससे इजराइल की लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होंगी और यह खतरनाक संदेश जाएगा कि वह कानून के शासन से ऊपर हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि नेतन्याहू ने राष्ट्रपति कार्यालय के कानूनी विभाग को क्षमादान का अनुरोध प्रस्तुत किया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने इसे एक असाधारण अनुरोध बताया, जिसके महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं। नेतन्याहू इजराइली इतिहास में एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो तीन अलग-अलग मामलों में धोखाधड़ी, विश्वासघात और रिश्वत के आरोपों को लेकर मुकदमे का सामना कर रहे हैं। उन पर धनी राजनीतिक समर्थकों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। उन्हें अभी तक किसी भी मामले में दोषी नहीं ठहराया गया है। नेतन्याहू ने आरोपों को खारिज किया है और इस मामले की निंदा करते हुए इसे मीडिया, पुलिस और

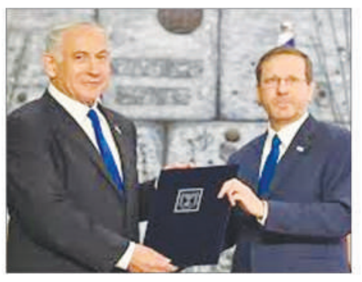

न्यायपालिका द्वारा साजिश के तहत निशाना बनाए जाने का आरोप लगाया है। यह अनुरोध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इजराइल से नेतन्याहू को क्षमा करने का आग्रह करने के कुछ सप्ताह बाद आया है। इस महीने की शुरुआत में, ट्रंप ने राष्ट्रपति आइजैक हर्ज़ोग को एक पत्र भी भेजा था जिसमें भ्रष्टाचार के मामले को राजनीतिक और अनुचित अभियोजन बताया गया था। एक वीडियो टेप में, नेतन्याहू ने कहा कि इस मुकदमे ने देश को विभाजित कर दिया है और क्षमादान से राष्ट्रीय एकता बहाल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि हफ़्ते में तीन बार अदालत में पेश होने की उनकी अनिवार्यता एक ऐसा ध्यान भटकाने वाला कदम है जिससे उनके लिए देश का नेतृत्व करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा, मुकदमे का जारी रहना हमें अंदर से तोड़ देता है, विभाजन करता है और दरार को और गहरा करता है। देश के कई अन्य लोगों की तरह, मुझे भी यकीन है कि मुकदमे के तुरंत निपटारे से सुलह को बढ़ावा मिलेगा, जिसकी हमारे देश को सख्त जरूरत है।

हालांकि कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि क्षमादान का अनुरोध मुकदमे को नहीं रोक सकता। न्याय मंत्रालय के पूर्व महानिदेशक एमी पामोर ने कहा, यह असंभव है। उन्होंने कहा, जब मुकदमा चल रहा हो, तो आप यह दावा नहीं कर सकते कि आप निर्दोष हैं। उन्होंने कहा कि मुकदमे को रोकने का एकमात्र तरीका अटॉर्नी जनरल से कार्यवाही रोकने के लिए कहना है। नेतन्याहू के अनुरोध पर विपक्ष ने तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त की और राष्ट्रपति से उनके अनुरोध को नहीं मानने का आग्रह किया। विपक्षी नेता यायर लापिड ने कहा, आप उन्हें अपराध स्वीकार किए बिना, पश्चाताप की अभिव्यक्ति के बिना और राजनीतिक जीवन से तत्काल संन्यास लिए बिना क्षमादान नहीं दे सकते।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,